R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 19
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
शनिवार, 27 सितम्बर, 2025

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

3 सशक्त नारी से ही होगा देश व प्रदेश समृद्ध-जिलाधिकारी
5 जल जीवन मिशन के निर्माणाधीन परियोजनाओं की ...
7 दिलजीत दोसांझ, इम्तियाज अली ने 'अमर ...

कोलकाता मेट्रो रेल सेवा 50 मिनट तक बाधित रही, व्यक्ति पटरी पर गिरा

कोलकाता **(एजेंसी)**। शुक्रवार को जतिन दास पार्क स्टेशन पर एक व्यक्ति के पटरी पर गिर जाने के कारण मेट्रो रेलवे सेवाएं 50 मिनट तक बाधित रहीं। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी। यह घटना दोपहर करीब एक बजे शहीद खुदीराम-दक्षिणेश्वर खंड की ब्लू

लाइन पर हुई। अधिकारी ने कहा, जतिन दास पार्क स्टेशन पर बिजली की आपूर्ति में बार बार व्यवधान के कारण, उस खंड पर तीसरी रेल की बिजली बंद कर दी गई... और यात्रियों की असुविधा को कम करने के लिए सेवाओं को कम कर दिया गया।

उन्होंने कहा, दक्षिणेश्वर-शहीद खुदीराम कॉरिडोर पर दोपहर 1.50 बजे सेवाएं बहाल कर दी गईं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि व्यक्ति को बचा लिया गया और अस्पताल ले जाया गया।

संजय कपूर प्रॉपर्टी विवादः प्रिया कपूर को सीलबंद लिफाफे में संपत्ति का ब्योरा दाखिल करने की अनुमति

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को संजय कपूर की पत्नी प्रिया सचदेव को दिवंगत व्यवसायी की संपत्तियों की सूची सीलबंद लिफाफे में दाखिल करने की अनुमति दे दी। अदालत का यह निर्देश करिश्मा कपूर के बच्चों समायरा कपूर और कियान राज कपूर द्वारा अपने पिता की संपत्ति को लेकर दायर किए गए बंटवारे के मामले में आया है। प्रिया कपूर और करिश्मा कपूर दोनों के बच्चों के वकीलों ने अदालत को आश्वासन दिया कि वसीयत की सामग्री मीडिया में लीक नहीं की जाएगी।

अदालत ने प्रिया कपूर को निर्देश दिया है कि वह वसीयत की एक प्रति दिवंगत संजय कपूर की माँ रानी कपूर के साथ साझा करें। आदेश में यह भी कहा गया है कि वसीयत की गोपनीयता और सुरक्षित संचालन सुनिश्चित करने के लिए इसे दिल्ली उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल के पास सुरक्षित रखा जाए। प्रिया कपूर की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव नायर ने न्यायालय से संवेदनशील दस्तावेजों के संचालन में गोपनीयता सुनिश्चित करने का आग्रह किया था और कहा था कि विभाजन का मामला होने के बावजूद इस मामले ने व्यापक ध्यान आकर्षित किया है।

हालाँकि, करिश्मा कपूर के बच्चों की ओर से पेश महेश जेठमलानी ने इस दलील का विरोध किया और गोपनीयता की ज़रूरत पर सवाल उठाया। उन्होंने गोपनीयता को संपत्ति को बर्बाद करने का एक बहाना बताते हुए कहा कि मेरा मुवक्किल एक उत्तराधिकारी है। हमें पता होना चाहिए कि क्या छोड़ा गया है।

लद्दाख की जायज़ मांगें पूरी हों, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सरकार को घेरा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने शुक्रवार को कहा कि हालिया हिंसा के बाद लद्दाख के लोगों की पीड़ा और वेदना को देखते हुए भारत सरकार को अपनी अंतरात्मा को जगाना होगा ताकि वह उनकी जायज़ मांगों को पूरी तरह से पूरा करे, न कि सिर्फ़ बातचीत जारी रखे। रमेश ने बताया कि उनकी ज़मीन और रोज़गार के अधिकार खत़रे में हैं, स्थानीय प्रशासन नौकरशाही के नियंत्रण में है, और छठी अनुसूची के तहत विशेष सुरक्षा और निर्वाचित विधायिका की उनकी मांगों को नज़रअंदाज़ किया गया है। उन्होंने सीमा पर चीन की कार्रवाइयों और सरकार की प्रतिक्रिया से पैदा हुई अनिश्चितता पर भी प्रकाश डाला।

एक्स पर एक पोस्ट में, जयराम रमेश ने लिखा कि छह साल पहले, जब लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया था, तो लद्दाख के लोगों को बड़ी उम्मीदें थीं। लेकिन भारी निराशा और मोहभंग हुआ है क्योंकि उन्होंने अपनी भूमि और रोजगार के अधिकारों को गंभीर खतरे में देखा है। स्थानीय प्रशासन और निर्वाचित निकायों को एलजी और नौकरशाही ने अपने नियंत्रण में ले लिया है। संविधान की छठी अनुसूची के तहत संरक्षण और एक निर्वाचित विधायिका के लिए उनकी वैध मांगों पर केवल बैठकों पर बैठकें हो रही हैं। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर यथास्थिति को चीन द्वारा एकतरफा निरस्त करने और प्रधानमंत्री द्वारा 19 जून, 2020 को चीन को क्लीन चिट देने से बड़ी अनिश्चितता पैदा हुई है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि लद्दाख कई मायनों में भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और इसके लोग हमेशा से गौरवान्वित भारतीय रहे हैं। पोस्ट में लिखा है कि लद्दाख भारत के लिए सांस्कृतिक, आर्थिक, पारिस्थितिक और सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। लद्दाख के लोग हमेशा से ही अपने मूल में गौरवान्वित भारतीय रहे हैं। उनकी पीड़ा और वेदना भारत सरकार की अंतरात्मा को जगाएगी, न केवल और अधिक बातचीत के लिए, बल्कि उनकी वैध आकांक्षाओं को यथाशीघ्र पूर्ण रूप से पूरा करने के लिए भी। लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की माँग के बीच 24 सितंबर को हुई हिंसा के बाद लेह में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंध जारी हैं।

बंगाल में बदलाव का शंखनाद!

अमित शाह बोले- नई सरकार ही लाएगी 'सोनार बांग्ला' का गौरव

कोलकाता **(एजेंसी)**। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कोलकाता के संतोष मित्रा स्क्वायर स्थित दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन किया, जहाँ इस वर्ष सैन्य थीम पर आधारित 'ऑपरेशन सिंदूर' की झलक दिखाई गई है। इसके बाद उन्होंने राज्य के राजनीतिक भविष्य के लिए प्रार्थना की कि मैंने माँ से प्रार्थना की है कि चुनावों के बाद, इस बंगाल में ऐसी सरकार आए जो सोनार बांग्ला (स्वर्णिम बंगाल) का निर्माण कर सके। हम यहाँ कविगुरु (रवींद्रनाथ टैगोर) की कल्पना का बंगाल बना सकें।'

अमित शाह ने राज्य के विकास को एक 'राष्ट्रीय' दृष्टिकोण से जोड़ते हुए आशा व्यक्त की कि यह पूजा 'हमें शुभता की ओर ले जाएगी, और हमारे नेता नरेंद्र मोदी द्वारा परिकल्पित विकसित भारत का सपना बंगाल के विकास के माध्यम से साकार होगा।' उन्होंने कहा कि माँ दुर्गा के आशीर्वाद से बंगाल में 'सोनार बांग्ला' का निर्माण करने वाली सरकार बनेगी और बंगाल पुनः सुरक्षित, शांत, समृद्ध और सुजलाम-सुफलाम होगा।

गृह मंत्री ने राज्य में हाल में हुई वर्षाजनित घटनाओं में हुई मौतों पर भी शोक व्यक्त किया। शाह ने कहा, ''उत्सव की शुरुआत में, हमने एक बहुत ही दुखद क्षण का अनुभव किया। दस से अधिक लोगों की जान चली गई। मैं मारे गये सभी लोगों को श्रद्धांजलि देता हूं।'' गत 23 सितंबर को कोलकाता और आसपास के इलाकों में मूसलाधार बारिश के बाद कम से कम 11

लोगों की मौत हो गई थी। शाह ने बंगाल के दुर्गा पूजा उत्सव को एक सांस्कृतिक धरोहर बताया, जिसकी प्रशंसा पूरे विश्व में की जाती है। उन्होंने कहा, ''यह नौ दिवसीय नवरात्र उत्सव न केवल बंगाल और भारत में, बल्कि पूरे विश्व में प्रसिद्ध हो गया है। बंगाल की इस महान परंपरा को पूरी दुनिया बड़े हर्षोल्लास के साथ देखती है। नौ दिनों तक, बंगाल में हर कोई शक्ति की उपासना में समर्पित रहता है।''

शाह ने कहा, ''दुर्गा पूजा का त्योहार बंगाल को नयी ऊंचाइयों की ओर ले जाए और राज्य के विकास के माध्यम से हम एक विकसित भारत के विचार को साकार करने में सक्षम हों जिसका सपना हमारे नेता नरेन्द्र मोदी जी ने देखा है।'' गृह मंत्री ने साल्ट लेक स्थित पूर्वी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र (ईजेडसीसी) में भाजपा समर्थित पश्चिम बंग संस्कृति मंच के दुर्गा पूजा पंडाल का भी उद्घाटन किया।

सोनम वांगचुक गिरफ्तार लेह हिंसा के बाद एनजीओ का लाइसेंस रद्द होने पर सरकार को दी थी वॉर्निंग

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। लेह में शांतिपूर्ण बंद के हिंसक हो जाने के कुछ दिनों बाद जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को शुक्रवार को गिरफ़्तार कर लिया गया और केंद्र शासित प्रदेश को राज्य का दर्जा देने की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों को कथित तौर पर उकसाने के आरोप में उन पर कड़े राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत आरोप लगाए गए।

यह गिरफ़्तारी वांगचुक के एनजीओ को एफसीआरए के तहत विदेशी धन प्राप्त करने से रोक दिए जाने के बाद हुई है। गृह मंत्रालय ने मंगलवार को लेह में भीड़ को उकसाने के लिए उन्हें ज़िम्मेदार ठहराया था। उन्होंने अपने भाषण में अरब स्प्रिंग और नेपाल के जेनरेशन ज़ेड विरोध प्रदर्शनों का ज़िक्र किया था। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने पुलिस और सुरक्षा बलों के साथ झड़प करते हुए कई वाहनों और सरकारी इमारतों में आग लगा दी। राजधानी लेह में बंद के दौरान हुए इस उपद्रव में चार लोगों की मौत हो गई और 70 से ज़्यादा लोग घायल हो गए।

जुबां पर आई लव मोहम्मद का नाम, फिर क्यों 'दफनाने' वाला पैगाम? बीड के मंच से सीएम योगी को खुलेआम धमकी, हाई अलर्ट

लखनऊ **(एजेंसी)**। महाराष्ट्र के बीड में आयोजित आई लव मोहम्मद कार्यक्रम के दौरान एक मुस्लिम धर्मगुरु ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ कथित तौर पर भड़काऊ टिप्पणी की। इस संबंध में एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है, जिसमें मौलाना को सीएम योगी को 'दफनाने' की खुली धमकी देते हुए देखा जा सकता है। सभा को संबोधित करते हुए, उन्हें यूपी के सीएम के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते भी देखा जा सकता है।

मौलाना ने सीएम योगी को माजलगांव की मुस्तफा मस्जिद में आने की चुनौती देते हुए कहा कि अगर वह वहां आए तो उन्हें वहीं 'दफन' कर दिया जाएगा।

उत्तर प्रदेश के बरेली में शुक्रवार की नमाज़ के बाद आई लव मोहम्मद'अभियान के बीच जमकर हंगामा हुआ। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आरएएफ और आरआरएफ की कई कंपनियां तैनात की गई हैं। आई लव मोहम्मद अभियान उत्तर प्रदेश के कानपुर में पैगंबर मोहम्मद के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मनाए जाने वाले बारावफात समारोह के दौरान शुरू हुआ। मुस्लिम युवकों ने पैगंबर के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करने के लिए 'आई लव मोहम्मद' नारे वाले बैनर और पोस्टर प्रदर्शित किए। हालाँकि, इस अभियान ने जल्द ही विवाद खड़ा कर दिया जब कुछ स्थानीय हिंदू समूहों ने इसे एक नई और भड़काऊ परंपरा बताते हुए इसका विरोध किया। इसके कारण तनाव पैदा हो गया और पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। अधिकारियों ने बैनर हटा दिए और कई लोगों के खिलाफ सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने और धार्मिक भावनाओं को आहत करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की।

इसके बाद यह मुद्दा लखनऊ, बरेली, नागपुर, काशीपुर और हैदराबाद जैसे अन्य शहरों में भी फैल गया, जहाँ शुक्रवार की नमाज के बाद इसी तरह के विरोध प्रदर्शन हुए। मुस्लिम संगठनों ने तर्क दिया कि पुलिस की कार्रवाई अन्यायपूर्ण थी और उनके मौलिक अधिकारों और धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन करती थी।

देश तोड़ने की साजिशः गिरिराज सिंह बोले ओवैसी-कांग्रेस का है गजवा-ए-हिंद प्लान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी पर निशाना साधते हुए उन पर मुसलमानों को भड़काने का आरोप लगाया और कहा कि ओवैसी, कांग्रेस के साथ मिलकर भारत में गृहयुद्' चाहते हैं। एएनआई से बात करते हुए, गिरिराज सिंह ने कहा कि वह मुसलमानों के नेता हैं। वह मुसलमानों को भड़काते हैं। वह और कांग्रेस गृहयुद्ध चाहते हैं, और कुछ नहीं। वे गज़वा-ए-हिंद के पक्षधर हैं और देश के टुकड़े-टुकड़े करना चाहते हैं। ऐसा नहीं होने वाला है। हमारे पूर्वजों ने गलती की थी। अगर उन्होंने 1948 में ओवैसी जैसे लोगों को पाकिस्तान भेज दिया होता और पाकिस्तान से हिंदुओं को यहाँ लाया जाता, तो वह यहाँ पैदा ही नहीं होते।

सिंह की यह टिप्पणी बेगूसराय में ओवैसी की चुनावी रैली से पहले आई है। एआईएमआईएम प्रमुख अपनी पार्टी के लिए समर्थन जुटाने के लिए 24 से 27 सितंबर तक बिहार के दौरे पर हैं। इससे पहले, गिरिराज सिंह ने आरोप लगाया था कि ओवैसी घुसपैठियों को बचाने के लिए बिहार में रैलियाँ कर रहे हैं। मंगलवार को एएनआई से बात करते हुए, सिंह ने दावा किया कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की 'मतदाता अधिकार यात्रा' के बाद, ओवैसी की चार दिवसीय यात्रा का उद्देश्य बांग्लादेशी और रोहिंग्या प्रवासियों को बचाना है।

उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले, राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने एसआईआर यानी घुसपैठियों को बचाने के लिए एक यात्रा निकाली थी। अब ओवैसी आ रहे हैं... ये लोग सभी बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं को बचाने आ रहे हैं। इसके अलावा, सिंह ने कहा कि बिहार में एनडीए सरकार ने कब्रिस्तानों के चारों ओर बाड़ लगाकर और वित्तीय सहायता प्रदान करके मुस्लिम समुदाय के लिए काम किया है। उन्होंने कहा, 'जहां तक मुसलमानों का सवाल है, नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी ने मुसलमानों के लिए जो किया है, वह आज तक देश में कभी नहीं हुआ। नीतीश कुमार के अलावा, क्या लालू जी ने कब्रिस्तानों की बाड़बंदी की? मुस्लिम लड़के-लड़कियों को वजीफा दिया? वे क्या न्याय देंगे? वे भड़काने आ रहे हैं।'

अंकित शर्मा हत्याकांड : ताहिर हुसैन की 5वीं जमानत खारिज हाईकोर्ट बोला- दिल्ली दंगों की बड़ी साजिश का हिस्सा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों के दौरान इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के कर्मचारी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन की पाँचवीं ज़मानत याचिका गुरुवार को खारिज कर दी।अदालत के आदेश ने एक प्रकार से इस अपराध की ''अत्यधिक गंभीर'' प्रकृति को रेखांकित कर दिया है। न्यायमूर्ति नीना कृष्णा बंसल ने कहा कि यह घटना मात्र एक ''सहायक अपराध नहीं, बल्कि एक बड़ी साजिश का भयावह रूप'' है।

अदालत ने कहा, ''उग्र भीड़ द्वारा अंकित शर्मा को घसीटना, 51 बार वार करने के साथ उनकी निर्मम हत्या करना और उसके बाद शव को नाले में फेंक देना, अपराध की गंभीरता को दर्शाता है।'' फैसले में प्रथम दृष्टया पाया गया कि हुसैन की इन घटनाओं में ''मुख्य भूमिका'' थी। उच्च न्यायालय ने जमानत देने से इनकार करते हुए आदेश में कहा, ''इस घटना को बड़ी साज़िश के रूप में देखना आवश्यक है ताकि इसकी पूरी गंभीरता और इसमें याचिकाकर्ता (हुसैन) की प्रथम दृष्टया भूमिका को समझा जा सके।''

शिकायतकर्ता रविंदर कुमार ने 26 फरवरी, 2020 को दयालपुर पुलिस थाने के अधिकारियों को सूचित किया था कि आसूचना ब्यूरो में तैनात उनका बेटा अंकित शर्मा 25 फरवरी, 2020 से लापता है। बाद में उन्हें कुछ स्थानीय लोगों से पता चला कि एक व्यक्ति की हत्या करके चांद बाग पुलिया मस्जिद से उसका शव खजूरी खास नाले में फेंक दिया गया था। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया कि शर्मा का शव खजूरी खास नाले से बरामद किया गया था और उसके शरीर पर जख्मों के 51 निशान थे। यह इस मामले में हुसैन की पांचवीं जमानत याचिका थी। वह 16 मार्च 2020 से न्यायिक हिरासत (जेल) में है।

इसके अलावा, चार अन्य आरोपियों को भी उस हिंसक भीड़ का हिस्सा बताया गया था, जो दंगे और आगज़नी में शामिल थी और जिन घटनाओं में शर्मा की मौत हुई थी। अदालत ने कहा कि इस व्यापक साजिश का प्रमुख उद्देश्य संशोधित नागरिकता कानून/राष्ट्रीय नागरिक पंजी के खिलाफ़ भ्रामक धारणा फैलाकर बड़े पैमाने पर साम्प्रदायिक हिंसा भड़काना था।

उच्च न्यायालय ने यह भी कहा कि हुसैन ने सुनियोजित तरीके से अपने परिवार को पहले ही सुरक्षित जगह भेज दिया था और उसके घर को ''किले'' और हिंदू समुदाय के सदस्यों पर हमला करने के लिए आधार की तरह इस्तेमाल किया गया। उसके घर को इस वृहद साजिश में अहम प्रदर्शन और दंगा स्थल बताया गया। अदालत ने कहा कि शर्मा की हत्या को एक अलग-थलग घटना या अचानक हुई हिंसा के रूप में नहीं देखा जा सकता बल्कि यह दिल्ली में साम्प्रदायिक दंगों की बड़ी आपराधिक साजिश का सीधा परिणाम था।

आदेश में कहा गया है कि यह एक पूर्व नियोजित और सुव्यवस्थित साजिश थी, जिसे कथित तौर पर कई आरोपियों ने रचा था और हुसैन इसका सरगना था। संशोधित नागरिकता कानून के समर्थकों और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसा के बाद 24 फरवरी, 2020 को उत्तर-पूर्वी दिल्ली में सांप्रदायिक झड़पें हुईं, जिसमें कम से कम 53 लोग मारे गए और कई घायल हो गए थे।

मैं केवल वीकेंड पर काम करने वाला नेता नहीं, विजय पर उदयनिधि ने किया कटाक्ष

चेन्नई। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि ने आज तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख विजय पर उनके हालिया शनिवार के चुनावी कार्यक्रमों को लेकर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह ऐसे व्यक्ति नहीं हैं जो अपनी गतिविधियों को हफ़्ते के एक ही दिन तक सीमित रखते हैं। उदयनिधि ने कहा कि सा व्यक्ति नहीं हूँ जो सिर्फ़ शनिवार को ही बाहर निकलता हूँ। मैं रविवार को भी यात्रा करता रहता हूँ। मुझे तो यह भी नहीं पता कि आज कौन सा दिन है।' उनकी यह टिप्पणी विजय के हाई-प्रोफाइल शनिवार के चुनावी कार्यक्रमों की तुलना में उनके लगातार प्रचार-प्रसार के विपरीत प्रतीत हुई।

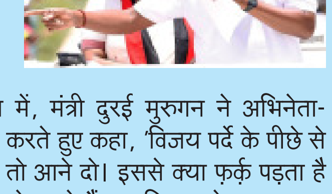

इस महीने की शुरुआत में, मंत्री दुरई मुरुगन ने अभिनेता-राजनेता के रवैये पर टिप्पणी करते हुए कहा, 'विजय पर्दे के पीछे से बोल रहे हैं। पहले उन्हें बाहर तो आने दो। इससे क्या फ़र्क़ पड़ता है कि वह अपना प्रचार शनिवार को करते हैं या रविवार को। हम अपना काम कर रहे हैं। तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई ने भी विजय के प्रचार कार्यक्रमों पर कटाक्ष किया। 'एक राजनेता को चौबीसों घंटे, हफ़्ते के सातों दिन उपलब्ध रहना चाहिए, सिर्फ़ सप्ताहांत पर नहीं। अगर टीवीके एक गंभीर पार्टी बनना चाहती है, तो उसे अपने कामों से यह दिखाना होगा। विजय लोगों से शनिवार और रविवार को मिलते हैं, हफ़्ते के दिनों में नहीं। उन्होंने आगे कहा था कि लोग इसे देखेंगे। अगर टीवीके डीएमके का मुख्य प्रतिद्वंद्वी बनना चाहता है, तो उसे यह दिखाना होगा। भाजपा और एआईएडीएमके के नेता जनता के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध रहते हैं। टीवीके को हफ़्ते के सातों दिन, 365 दिन उपलब्ध रहना चाहिए। अगर विजय कहते हैं कि वह लोगों से सिर्फ़ सप्ताहांत में ही मिलेंगे, तो इससे सवाल उठता है कि वह राजनीति को लेकर कितने गंभीर हैं।

नवरात्रि पूजा एवं आगामी पर्व दशहरा के दृष्टिगत जिलाधिकारी भदोही, पुलिस अधीक्षक भदोही, अपर पुलिस अधीक्षक भदोही एवं समस्त

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था तथा जनपद में मनायें जा रहे त्यौहार नवरात्रि (मां दुर्गा पूजा) एवं आगामी त्यौहार दशहरा को सकुशल सम्पन्न कराने के दृष्टिगत श्री शैलेश कुमार, जिलाधिकारी भदोही श्री अभिमन्यु मांगलिक पुलिस अधीक्षक भदोही श्री शुभम अग्रवाल, अपर पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा संयुक्त रूप से कस्बा भदोही में अजीमुल्लाह चौराहे पर स्थित दुर्गा पूजा पंडाल/पिंक बूथ का निरीक्षण किया गया एवं कस्बे में पैदल गश्त/फ्लैग मार्च किया गया। समस्त क्षेत्राधिकारीगण द्वारा अपने सर्किल के थाना क्षेत्र अंतर्गत थाना/चौकी प्रभारियों व पर्याप्त पुलिस बल के साथ पैदल गश्त/फ्लैग मार्च किया जा रहा। पैदल गश्त/फ्लैग मार्च के दौरान मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों, प्रमुख मार्गों, चौराहों व बाजारों आदि में भ्रमण कर संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु व वाहनों की गहनता से चेकिंग की जा रही है। मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों, प्रमुख चौराहों पर पैदल गस्त/फ्लैग मार्च कर आमजन से संवाद स्थापित कर आगामी त्यौहार को सौहार्दपूर्ण व शांतिपूर्वक मनाने हेतु अपील गई।

जिलाधिकारी ने कृषक पंजीकरण के लिए प्रचार-प्रसार कराने के दिए निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने उदयन सभागार में उप निदेशक मण्डी, डिप्टी आर.एम.ओ., जिला पूर्ति अधिकारी एवं सहायक आयुक्त सहकारिता के साथ बैठक की।

ज्ञात हो कि बैठक में जिला खाद्य विपणन अधिकारी ने कहा कि जनपद को 60, 000 मी. टन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जनपद में धान खरीद 01.11.2025 से प्रारम्भ होकर 28.02.2026 तक चलेगी। धान क्रय के लिए कुल 40 धान क्रय केन्द्र खोले गये हैं। 39 धान क्रय केन्द्रों की जियो टैगिंग व ई-उपार्जन पोर्टल पर फीडिंग पूर्ण कर ली गयी है। भारतीय खाद्य निगम के 01 क्रय केन्द्र की जियो टैगिंग और ई-उपार्जन पोर्टल पर फीडिंग नहीं हुई है, जिस पर जिलाधिकारी ने सम्बन्धित को निर्देश दिए गए कि अविलम्ब जियो टैगिंग और ई-उपार्जन पोर्टल पर फीडिंग कार्य पूर्ण कर ली जाय।

जिला खाद्य विपणन अधिकारी ने कहा कि बाजरा की खरीद 01.10.2025 से प्रारम्भ होकर 31.12.2025 तक चलेगी। बाजरा की खरीद के लिए जनपद में खाद्य विभाग के 05 क्रय केन्द्र खोले गये हैं, जिस पर जिलाधिकारी ने क्रय केन्द्र पर समस्त तैयारियां पूर्ण कर समय से क्रियाशील कराने के निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि जनपद में धान विक्रय के लिए अब तक 314 तथा बाजरा विक्रय के लिए 02 कृषकों द्वारा पंजीकरण कराया गया है। कृषकों की भूमि व रकबे का सत्यापन अभी प्रारम्भ नहीं हुआ है। ई-उपार्जन पोर्टल पर सत्यापन की व्यवस्था अभी लाइव नहीं की गयी है। व्यवस्था प्राश्रम्भ होते ही सत्यापन की कार्यवाही शुरू कर दी जायेगी, जिस पर जिलाधिकारी ने कृषक पंजीकरण के लिए प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जिला पूर्ति अधिकारी को निलम्बित व रिक्त उचित दर दुकानों को आवश्यक कार्यवाही कर संचालित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला खाद्य विपणन अधिकारी एवं मंडी सचिवों को महिला किसानों को चिन्हित कर कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें सम्मानित करने तथा विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदान कर योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

बैठक में अपर जिलाधिकारी शालिनी प्रभाकर सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने की खाद्य सुरक्षा व औषधि प्रशासन विभाग के कार्यों की समीक्षा

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने कार्यालय कक्ष में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने समीक्षा के दौरान सहायक आयुक्त (खाद्य) ममता चौधरी को सी.एम. डैशबोर्ड पर विभागीय योजनाओं/इंडिकेटर्स की प्रगति की शत-प्रतिशत फीडिंग सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने न्यायालय में विचाराधीन वादों पर भी पैरवी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आगामी त्यौहार के दृष्टिगत मिलावटी खाद्य पदार्थों के विरुद्ध नियमित रूप से कार्यवाही की जाय।

मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत कैम्प लगाकर महिला परक योजनाओं से महिलाओं/बालिकाओं को लाभान्वित एवं सम्मानित किया जाय-डीएम

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने आज एन.आई.सी. सभागार में सोशल सेक्टर के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने रानी लक्ष्मी बाई महिला एवं बाल सम्मान कोष की समीक्षा के दौरान कहा कि शेष रह गए लाभार्थियों के बैंक खाते खुलवाने का कार्य शीघ्र पूर्ण करा लिया जाय। उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत शासन द्वारा संचालित महिला परक/महिलाओं को केंद्रित कल्याणकारी योजनाओं से महिलाओं/बालिकाओं को जनपद स्तर व तहसील स्तर पर कैम्प लगाकर लाभान्वित एवं सम्मानित किया जाय। उन्होंने कहा कि कन्या सुमंगला योजना के अंतर्गत लंबित आवेदनों को निस्तारित कर पात्र बालिकाओं को लाभान्वित किया जाय।

जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों से कहा कि महिला संबंधी अपराधों पर विशेष निगरानी रखते हुए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाय। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जनपद के राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों एवं राजकीय बालिका विद्यालयों में 30 सितंबर को कन्या पूजन कार्यक्रम आयोजित किया जाय। उन्होंने छात्रवृत्ति योजना की समीक्षा के दौरान लापरवाही पाए जाने पर जिला विद्यालय निरीक्षक को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने छात्रवृत्ति के कार्य में अपेक्षित कार्य न करने वाले 10 सबसे खराब निजी विद्यालयों की मान्यता समाप्त करने की कार्यवाही शुरू करने के भी निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने की जिला पोषण समिति की बैठक

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने उदयन सभागार में जिला पोषण समिति की बैठक की।

ज्ञात हो कि बैठक में जिलाधिकारी ने निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केन्द्रों के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा के दौरान अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर कड़ी नाराजगी प्रकट करते हुए खण्ड विकास अधिकारी सिराथू, सरसवा, मंझनपुर एवं मूरतगंज को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने संबंधित सचिव, ग्राम पंचायत/ ग्राम विकास अधिकारी के विरुद्ध कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने नगर-निकायों में निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केन्द्रों के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा के दौरान अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर अधिशासी अभियंता, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दीपावली से पूर्व सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों का निर्माण कार्य पूर्ण करा लिया जाय।

स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में आयोजित किया गया कन्या जन्मोत्सव

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने शुक्रवार को मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में महिला कल्याण विभाग द्वारा आयोजित कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम में 10 नवजात कन्याओं के अभिभावकों को बेबी किट, मिष्ठान, ड्राई फ्रूट्स, कपड़े, पौधा तथा सम्मान-पत्र प्रदान किया।

ज्ञात हो कि इस अवसर पर सी.एम.एस. सुनील कुमार शुक्ला एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी मंतशा बानो सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

श्रीराम विवाह संग कैकेयी संवाद तथा कोपभवन का हुआ सजीव चित्रण

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। सुरियावा के श्री रामलीला समिति तत्वाधान में लीला के पांचवे दिन शुक्रवार श्रीधाम वृन्दावन के कलाकारो द्वारा सीताराम विवाह, राजतिलक की तैयारी, कैकेयी संवाद तथा कोपभवन से सम्बन्धित लीला का मंचन किया गया। जिस समय श्रीराम ने धनुष तोड़कर सीता के हाथ से बरमाला पहना, सारा पांडाल तालियों की गड़गडाहट और जय श्री राम के नारों से गुंज उठा। उसके बाद विश्वामित्र ने जनक जी से कहा कि हे राजन आप राजा दशरथ को निमन्त्रण भेजकर बारात के साथ आने की कृपा करे। गुरुदेव के आदेशानुसार मिथिला नरेश राजा जनक ने दूत द्वारा निमन्त्रण कार्ड भेजते है। दशरथ जी निमन्त्रण पत्र को पाकर अयोध्या वासियो के साथ मिथिला के लिए कुच कर जाते है तथा वेद मन्त्रोचारण के साथ सीताराम का विवाह सम्पन्न किया गया, बहुत ही भव्य तरीके से नगरवासियों द्वारा राम बारात शोभायात्रा रेलवे स्टेशन पास नयागंज से रथ डीजे, बाजे के साथ निकाला गया और रामलीला के मुख्य अथिति सुरियावा चेयरमेन श्री विनय चौरसिया जी ने प्रभु राम जी का पूजन आरती कर आशीर्वाद लिया व शोभायात्रा में टीम के साथ शामिल हुवें , बारात लेकर राजा दशरथ अपने राज्य अयोध्या के लिए चले जाते है।

थोड़ी दिन बाद गुरु वशिष्ठ को बुलाकर महाराजा दशरथ ने राम के राज तिलक की तैयारी करते है, कि किन्ही कारणोवश राजदरवार के पास दासी मंथरा पहुचकर पूरवासियों से नगर सजने की तैयारी पूछती है। पूरवासियो ने मंथरा को बताया कि महाराज अपने बड़े पुत्र राम को कल सुबह अयोध्या का राजपाठ देने जा रहे है। इतना सुनते ही मंथरा महारानी कैकेयी को सारी बाते बतां कैकेयी से कहती है कि महाराज ने तुम्हे दो वरदान देने को कहा था, उसे अब मांग लो। मंथरा की बात सुनकर महारानी कैकेयी अपने सारे वस्त्राभूषण उतारकर जमीन पर फेक, फटे पुराने कपड़े पहनकर कोप भवन में जाकर जमीन पर लेट गयी जब महाराज को पता चलता है तो महारानी कैकेयी के कोप भवन में जाकर उनके उदास होने का कारण पूछते है, तब कैकेयी ने कहा कि महाराज जो आपने वरदान देने को कहा था वह वरदान आज हमको चाहिए। इतना सुनने के बाद महाराजा दशरथ ने कहा कि रघुकुल रीति सदा चली आयी, प्राण जाई पर बचन न जाई। तुम जो चाहे वरदान मांगो। महाराज के बात को सुनकर कैकेयी कहती है कि महाराज पहला वरदान अयोध्या का राज भरत को दे दीजिये, दूसरा वरदान तापस वेष विशेषि उदासी, चैदह बरिस राम वनवासी।

जिलाधिकारी ने सीएम फेलो सौम्या अवस्थी व राजेश कुमार को लैपटॉप किया प्रदान

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने कार्यालय कक्ष में सीएम फेलो सौम्या अवस्थी व राजेश कुमार को लैपटॉप प्रदान किया। आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम में पारदर्शिता और त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी साधनों का उपयोग अत्यंत आवश्यक है। लैपटॉप उपलब्ध होने से कार्यक्रम की प्रगति का प्रभावी मॉनिटरिंग किया जा सकेगा।

सीएम फेलो सौम्या अवस्थी ने बताया कि इस लैपटॉप की सहायता से आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम से संबंधित सूचनाएँ और रिपोर्ट समय पर पोर्टल पर अपलोड की जा सकेंगी तथा नीति आयोग को समय-समय पर जिले की बेस्ट प्रैक्टिसेज भी भेजी जा सकेंगी।

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस : नवरात्रि, विचार, व्यवहार और जीवन में सकारात्मक बदलाव का अवसर

स्वच्छ हवा, स्वस्थ जीवन, वायु है तो आयु है - स्वामी चिदानन्द सरस्वती

मंत्र भारत संवाददाता

ऋषिकेश। नवरात्रि, समाज में जागरूकता, शुद्धता और सकारात्मक परिवर्तन का अद्भुत अवसर है। यह समय है अपने भीतर और अपने आस-पास की दुनिया में दिव्यता, संयम और सत्कर्मों को स्थान देने का है। नवरात्रि हमें 'शुद्धता बाहर, शुद्धता भीतर' तथा व्यक्तिगत व सामाजिक स्तर पर जीवन में सकारात्मक लाने की प्रेरणा देता है।

जब हम अपने विचारों, भावनाओं और कर्मों को शुद्ध करते हैं, तभी जीवन में स्थायी संतुलन की प्राप्ति होती है। शुद्धता का अर्थ केवल व्यक्तिगत मानसिक शांति तक सीमित नहीं है। हमारे आस-पास का वातावरण भी हमारे स्वास्थ्य, जीवनशैली और मानसिक स्थिति पर गहरा प्रभाव डालता है। नवरात्रि के समय हम अपने घर, कार्यस्थल और सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ, व्यवस्थित और सकारात्मक ऊर्जा से भरते हैं। साफ-सुथरे परिवेश में जीवन का हर क्षण आनंद और ऊर्जा से भर जाता है।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि शुद्धता केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारी भी है। इस नवरात्रि हम प्लास्टिक का उपयोग कम करें, पानी और ऊर्जा की बचत करें, पौधारोपण करें और स्वच्छता को जीवन का मंत्र बनाये, यही वास्तविक पूजा है।

इस नवरात्रि अपने भीतर और बाहर शुद्धता का संकल्प लें। अपने विचारों में अपने शब्दों में सच्चाई और अपने कर्मों में सेवा को स्थान दें। यह संकल्प न केवल आपके जीवन को सुंदर बनाएगा, बल्कि समाज और राष्ट्र में भी सकारात्मक ऊर्जा का संचार करेगा।

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस हमें हमारे स्वास्थ्य और पर्यावरण के बीच अटूट संबंधों का स्मरण कराता है। इस वर्ष का विषय 'स्वच्छ वायु, स्वस्थ लोग' हमें यह संदेश देता है कि स्वच्छ वायु ही स्वस्थ जीवन और सतत विकास की नींव है। स्वच्छ वायु केवल एक प्राकृतिक संसाधन नहीं है, बल्कि यह हमारे जीवन और भविष्य का आधार भी है। वायु है तो आयु है, हर सांस जो हम लेते हैं, हमारे स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता से जुड़ी होती है। प्रदूषित वायु न केवल फेफड़ों और हृदय को प्रभावित करती है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य, बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा, और जीवन की समग्र गुणवत्ता पर भी गहरा असर डालती है। वायु प्रदूषण हमारे शहरों, गाँवों और प्राकृतिक वातावरण को धीरे-धीरे कमजोर कर रहा है।

स्वामी जी ने कहा कि स्वच्छ हवा का अर्थ केवल स्वास्थ्य नहीं, बल्कि सतत विकास और जीवन के हर पहलू में स्थिरता है। जब हम अपने वातावरण को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाएंगे, तो प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण होगा, जैव विविधता सुरक्षित रहेगी और समाज और अर्थव्यवस्था भी मजबूत बनेंगे।

सिद्धार्थनगर जिले के समाजसेवी को मिला अर्न्तराष्ट्रीय सम्मान

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के निवासी हिमांशु द्विवेदी को सामाजिक कार्य के लिए तीन दिवसीय निफा रजत जयंती स्थापना समारोह का आयोजन दिल्ली के भारत मंडपम और हरियाणा के करनाल जिले में हुआ। समारोह में देश-विदेश से आये गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। मुख्य अतिथियों में हरविन्दर कल्याण (अध्यक्ष विधान सभा हरियाणा प्रदेश), अन्तर्राष्ट्रीय मोटिवेशनल स्पीकर शिव खेड़ा, निफा के राष्ट्रीय चेयरमैन प्रीत-पाल सिंह' पन्नू' और जापान, रूस, मॉरीशस व इंग्लैण्ड से आये अतिथियों ने समाजसेवियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में समाज सेवा और शिक्षा, रक्तदान के क्षेत्र में योगदान देने वाले हिमान्शु द्विवेदी (संस्थापक राम निवास फाउंडेशन ट्रस्ट) को वर्ल्ड रिकार्ड आफ एक्सीलेंस इंग्लैण्ड अवार्ड प्रदान किया गया। साथ ही राघवेन्द्र तिवारी एवं विनय कुमार को उनके सामाजिक कार्यों के लिए मोमेन्टो प्रदान किया गया।

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत सीएचसी में स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जनपद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तिलौली में स्वस्थ नारी शशक्त परिवार अभियान के तहत स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया जिसमें स्वास्थ्य शीविर का आयोजन किया गया । इस स्वास्थ्य शीविर में आमजन को जनपद से आये विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा एवं आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक चिकित्सकों द्वारा सेवाएं प्रदान करने के साथ साथ अभियान के परिप्रेक्ष्य में अधिकतम महिलाओं व गर्भवती महिलाओं के एक्सरे, खून जाँच और प्रसव पूर्व सेवाएं प्रदान की गईं ।स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन पूर्व मंत्री व विधायक बासी जय प्रताप सिंह द्वारा किया गया, विधायक के साथ साथ सीएचसी अधीक्षक डॉ राजीव रंजन द्वारा स्वास्थ्य शिविर एवं स्वास्थ्य शिविर में प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का निरीक्षण कराया स्वास्थ्य सेवाओं के साथ साथ बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा गर्भवती महिलाओं और शिशुओं को पौष्टिक आहार दिया गया । विधायक द्वारा 12महिलाओं को आयुष्मान गोल्डन कार्ड, 10 टीबी के रोगियों को पोषण पोटली वितरित की गई, 5 गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म के साथ दो बच्चों का अन्नप्राशन के साथ 10 गर्भवती धात्री को साहिजन का पौधा भेंट किया गया। स्वास्थ्य शिविर के आयोजन पर पूर्व मंत्री व विधायक जय प्रताप सिंह द्वारा आमजन से अपील की गयी कि सभी आमजन स्वास्थ्य सेवाओ का लाभ जरूर लें। कार्यक्रम में मिठवल ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉक्टर दशरथ चौधरी, विधायक प्रतिनिधि जोगी बाबा, सांसद प्रतिनिधि राजेंद्र त्रिपाठी, विश्वनाथ पांडे, निखिल प्रताप सिंह, शुभम पाठक, आकाश पाठक संतोष पाठक, बाल विकास पुष्टाहार विभाग से नीलम वर्मा सीडीपीओ, सुपरवाइजर आंगनबाड़ी कार्यकत्री सहायिका सहित स्वास्थ्य विभाग के कुशल टंडल, धर्मेंद्र विश्वकर्मा राधेश्याम चक्रवर्ती डॉ महफूज आलम डॉक्टर नीलिमा सिंह डॉक्टर प्रियांशु पांडे सहित प्रधानमंत्री जन ओषधि कैंप के माध्यम से जनता को सस्ती दवाओं का लाभ मिल सका।

शारदीय नवरात्रि पर्व के अवसर पर मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 अंतर्गत विशेष जागरूकता अभियान

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार के निर्देशन में शारदीय नवरात्रि पर्व के अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक जनपद कौशाम्बी द्वारा क्षेत्राधिकारी मंझनपुर, श्रम अधिकारी, अल्पसंख्यक महिला अधिकारी के साथ मिशन शक्ति अभियान फेज 5.0 के तहत मंझनपुर चौराहे पर चौपाल लगाकर स्कूल की छात्राओं/महिलाओं व बालिकाओं को जागरुक किया गया।

ज्ञात हो कि इस अवसर पर छात्राओं एवं महिलाओं को महिला सम्बन्धी अपराध, साइबर अपराध से सुरक्षा, महिला सम्मान, नारी स्वावलंबन एवं शासन की योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई । साथ ही उपस्थित आमजन को पर्व के दौरान सुरक्षा, शांति व सौहार्द बनाए रखने हेतु प्रेरित किया गया ।

आरकेसीपीएल लिमिटेड ने आईपीओ के लिए सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल की

मंत्र भारत संवाददाता

वाराणसी। आरकेसीपीएल लिमिटेड, जो कि भारत भर में एलिवेटेड रोड, फ्लाईओवर, पुल, रोड ओवर ब्रिज, राजमार्ग, एक्सप्रेसवे, ड्रेनेज सिस्टम और नहर प्रणालियों सहित विशेष संरचनात्मक कार्यों को निष्पादित करने का अनुभव रखने वाली एक सिविल कंस्ट्रक्शन और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कंपनी है, उसने बाज़ार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल कर दिया है। कंपनी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश के जरिये कुल 12, 500 मिलियन रुपये तक की धनराशि जुटाने की योजना बना रही है। इस पूरी पेशकश का आकार इक्विटी शेयरों के नए इश्यू के ज़रिए 7, 000 मिलियन रुपये और बिक्री के लिए पेश किए गए इक्विटी शेयरों (ऑफर फॉर सेल) के जरिये 5, 500 मिलियन रुपये है।

शुद्धि सूचना

सर्वधारण का सूचित किया जाता है कि अपर्णा केसरवानी (APARNA KESARWANI) के जन्म प्रमाण पत्र में त्रुटिवश पिता का नाम अभिषेक केसरवानी अंकित है जो कि गलत है, सही नाम सोमू केसरवानी (SOMU KESARWANI) है जो कि आधार कार्ड मे भी अंकित है, वास्तव मे लिखत-पढ़त में सोमू केसरवानी (SOMU KESARWANI) को ही सत्य माना जाए जो कि मेरी निजी जानकारी मे सत्य व सही हैं।

सोमू केसरवानी
पुत्र रामजी केसरवानी
निवासी 11/9, मुटठीगंज प्रयागराज
मो0नं0- 9305018135

मिशन शक्ति-5.0 अभियान के अंतर्गत जिलाधिकारी की उपस्थिति में निःशुल्क मेगा सर्वाइकल कैंसर वैक्सीनेशन का किया गया आयोजन

सशक्त नारी से ही होगा देश व प्रदेश समृद्ध-जिलाधिकारी

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए समय पर लगवाये सर्वाइकल कैंसर वैक्सीनेशन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन पर आधारित मिशन शक्ति-5.0 अभियान के अंतर्गत महिलाओं को स्वस्थ बनाये रखने एवं सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की उपस्थिति में शुक्रवार को राजकीय बालिका इण्टर कालेज में रोटरी क्लब, इलाहाबाद के सहयोग से निःशुल्क मेगा सर्वाइकल कैंसर वैक्सीनेशन एवं मिशन शक्ति जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया।

जिलाधिकारी ने मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत आयोजित सर्वाइकल कैंसर वैक्सीनेशन के अवसर पर राजकीय बालिका इण्टर कालेज की छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि सर्वाइकल कैंसर की समस्या महिलाओं में लगातार बढ़ रही है और इससे प्रत्येक वर्ष बहुत सी महिलाओं की मृत्यु भी हो रही है। यह वैक्सीन सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए बनायी गयी है और यह पूरी तरह से सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि अन्य वैक्सीनों की तरह यह वैक्सीन भी महिलाओं के लिए अति आवश्यक है। यह वैक्सीन बालिकाओं को 09 से 15 वर्ष की आयु में लगाये जाने पर सबसे ज्यादा प्रभावी है। इसे 15 वर्ष की आयु के बाद भी लगाया जा सकता है, किंतु उम्र के साथ इसकी प्रभाविता घटती जाती है, इसलिए इसके प्रति कम उम्र में ही जागरूक होने की आवश्यकता है।

जिलाधिकारी ने छात्राओं से कहा कि नवरात्रि के अवसर पर मिशन शक्ति अभियान 5.0 का प्रारम्भ किया गया है। उन्होंने कहा कि नवरात्रि में हम सब मां दुर्गा की पूजा कर शक्ति की आराधना करते हैं, इसलिए विभिन्न महिला अधिकारियों के द्वारा आपको जागरूक किया जा रहा है कि महिलाएं किसी से कमजोर नहीं है। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं बड़े-बड़े पदो पर रहकर अपने दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन कर रही हैं। आप सभी सशक्त व मजबूत महिला बनना है, जिससे आपको कोई नीचा न दिखा सके। उन्होंने कहा कि आपको अपना आत्मविश्वास हमेशा ऊपर रखना है। आत्मसुरक्षा के उपाय हेतु मार्शल आर्ट की ब्लैक बेल्ट योग्यताधारी प्रशिक्षिकाओं के द्वारा आपको प्रशिक्षित भी किया जायेगा। कहा कि यदि आपके साथ कोई अनुचित व्यवहार करने का प्रयास करता है, तो तुरंत कड़ा प्रतिरोध करें और किसी और के द्वारा रक्षा किए जाने का इंतजार किए बगैर तुरंत एक्शन लें। पुलिस व प्रशासन सदैव आपके साथ सहयोग के लिए उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि आपको फिजिकली व मेंटली दोनो रूप से मजबूत बनाना है। उन्होंने कहा कि आज जहां कहीं भी सक्सेसफुल लोगो की लिस्ट आती है, उसमें महिलाओं एवं लड़कियों की संख्या सबसे ज्यादा रहती है। उन्होंने कहा कि आपको अपने अधिकारों के लिए स्वयं खड़ा होना पड़ेगा तथा परिवार में भी भेदभाव के प्रति भी प्रतिरोध करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि घर में ही लड़कियों की आवाज दबायी जायेगी, तो वह बाहर भी दवाब महसूस करेगी। उन्होंने कहा कि जिस दिन आपने घर में अपना पक्ष रखना शुरू किया, उसी दिन से समाज भी आपकी बात सुनेगा। कहा कि सरकार, प्रशासन सदैव आपके साथ है और आप किसी से कम नहीं, बल्कि आप बेहतर हैं। आपको अपने आप पर भरोसा होना चाहिए, आपको मेहनत करनी आनी चाहिए और हमेशा गलत के विरूद्ध आवाज उठाना चाहिए, फिर आपको आगे बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता है।

जिलाधिकारी ने मिशन शक्ति अभियान की थीम-सशक्त नारी, समृद्ध प्रदेश का जिक्र करते हुए कहा कि जब तक नारी सशक्त नहीं होगी, तब तक प्रदेश समृद्ध नहीं होगा। कहा कि आधी जनसंख्या आपकी है, यदि आधी जनसंख्या कार्य नहीं करेगी, मजबूत नहीं होगी, तो देश और प्रदेश कैसे विकसित होगा। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार चेन की एक भी कड़ी कमजोर नहीं होनी चाहिए, उसी प्रकार यदि हमारी आधी जनसंख्या सशक्त नहीं होगी, तो हमारा प्रदेश कैसे समृद्ध होगा।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी सर्वजीत सिंह, महिला थानाध्यक्ष वंदना पाण्डेय, वन स्टाप सेंटर मैनेजर निलेशा यादव, सह जिला विद्यालय निरीक्षक, प्रधानाध्यापिका, अध्यापिकाएं, इलाहाबाद रोटरी क्लब के सदस्य सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

खुला आश्रय गृह को गोद लेगा मुक्त विश्वविद्यालय

प्रधानमंत्री के जन्मोत्सव पर आश्रय गृह के बच्चों से मिले कुलपति, खिलौने पाकर खुश हुए बच्चे

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के तत्वावधान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मोत्सव पखवाड़े के अन्तर्गत शुक्रवार को शांतिपुरम, फाफामऊ, प्रयागराज में स्थित खुला आश्रय गृह को कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने पठन-पाठन से संबंधित सामग्री प्रदान की।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने बच्चों को पठन-पाठन हेतु पुस्तक, कॉपी, पेन्सिल, रबड़, स्केल, शार्पनर के साथ ही आश्रय गृह को एक सेट किट भेंट किया। इस अवसर पर कुलपति ने इस खुला आश्रय गृह को विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए जाने की घोषणा की। इस अवसर पर खुला आश्रय गृह की अधीक्षिका श्रीमती दिव्या त्रिपाठी, नंदिनी, निखिलेश, अर्चना तथा अनिल आदि को बच्चों के पठन-पाठन के लिए सफेद बोर्ड, कुर्सी, खिलौने तथा पाठ्य पुस्तकें प्रदान की। कुलपति ने बच्चों को हर सहायता उपलब्ध कराए जाने का आश्वासन दिया और उनके स्वस्थ तथा उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आगे बढ़ने हेतु प्रेरित भी किया।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि बाल कल्याण समिति किशोर न्याय प्रयागराज के अध्यक्ष डॉ.अखिलेश कुमार मिश्र ने खुला आश्रय गृह के कार्यकलापों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ मिश्र ने कुलपति के इस प्रयास की सराहना की।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, कार्यक्रम नोडल प्रभारी प्रोफेसर पी. के. पाण्डेय, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर छत्रसाल सिंह, प्रोफेसर संजय कुमार सिंह, डॉ. आनंदानन्द त्रिपाठी, डॉ. गिरीश कुमार द्विवेदी, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. सुरेन्द्र कुमार, डॉ. सतीश चन्द्र जैसल आदि उपस्थित रहे।

स्वच्छता पखवाड़ा के तहत वेस्ट मटेरियल से बच्चों ने बनाई उपयोगी वस्तुएं

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के तहत श्री महाप्रभु पब्लिक स्कूल, शिवकुटी में विद्यार्थियों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला में बच्चों को वेस्ट मटेरियल से उपयोगी वस्तुएँ बनाना सिखाया गया। बच्चों ने समाचार पत्र, प्लास्टिक बोतल और कार्डबोर्ड का उपयोग कर विभिन्न कलात्मक एवं रचनात्मक आकृतियाँ तैयार कीं।

ज्योति सिंह एवं जितेन्द्र प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में बच्चों ने रिसायकल और रीयूज़ की तकनीक से टी-कोस्टर, पेन स्टैंड, चेरियल फेस मास्क, ट्राइबल फेस मास्क जैसी आकर्षक वस्तुएँ तैयार कीं।

कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती रविन्द्र बीर्डी ने छात्र-छात्राओं एवं प्रशिक्षकों के कार्य की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

युवाओं को लगातार धोखा दे रही भाजपा सरकार

आए दिन पेपर लीक, रिजल्ट में धांधली की खबरों से सरकार के प्रति निराशा बढ़ी

स्नातक एमएलसी चुनाव की तैयारियों की समीक्षा बैठक में बोले लोहिया वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ राम करण निर्मल

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। भाजपा सरकार युवाओं के साथ लगातार धोखा कर रही है। आए दिन पेपर लीक, रिजल्ट में धांधली, आरक्षण के साथ खिलवाड, नियुक्तियों को रोके रखना जैसे गंभीर मामले भाजपा सरकार में आम हो चुके हैं। उक्त आरोप सपा लोहिया वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ राम करण निर्मल ने लगाया है। डॉ निर्मल आज सपा के जिला कार्यालय जार्ज टाउन में स्नातक एमएलसी चुनाव की तैयारियों को लेकर युवा फ्रंटल संगठन लोहिया वाहिनी एवं यूथ ब्रिगेड के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा की बेरोजगारों को रोजगार, महिलाओं को सुरक्षा, किसानों को राहत तथा आम आदमी को सम्मान सिर्फ समाजवादी सरकार में मिलता है।उन्होंने युवाओं में जोश भरते हुए कहा कि सपा मुखिया मा अखिलेश यादव के नेतृत्व में सपा आज देश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। भाजपा पीडीए की एकजुटता से परेशान है।स्नातक चुनाव में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्णबताते हुए उन्होंने

पूरी सिद्दत के साथ चुनाव की तैयारियों में जुट जाने की अपील किया।

एमएलसी डॉ मानसिंह यादव ने कहा कि प्रदेश के बेरोजगारों, शिक्षा मित्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों सहित आम आदमी कि आवाज को वह लगातार सदन में उठाते रहे हैं। अनेकों मामलों में उन्होंने पीड़ितों को न्याय दिलाने का काम किया है।

इस मौके पर प्रमुख रूप से डॉ रामकरण निर्मल, एमएलसी डॉ मानसिंह यादव, जिलाध्यक्ष अनिल यादव, पूर्व विधायक सत्य वीर मुन्ना, संदीप यादव, दूध नाथ पटेल,नवीन यादव, आसुतोष तिवारी, रत्नेश यादव आदि सहित सैकड़ो कि संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्त्ता मौजूद रहे।

देवो ने प्रयागराज में किया नए स्टोर का भव्य लांच

नया प्रीमियम आउटलेट देवो - सियाराम्स की एक पहल- परंपरा और आधुनिकता का अनोखा संगम- प्रयागराज में पेश किया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। देवो सियाराम्स की एक पहल ने अपने नए स्टोर के साथ प्रयागराज में शानदार एंट्री की है। यह स्टोर राम कॉम्प्लेक्स, सिविल लाइन्स, प्रयागराज में स्थित है। यह ब्रांड पुरुषों के विशेष अवसरों के परिधानों में न केवल विशेषज्ञता रखता है, बल्कि सियाराम्स की समृद्ध विरासत से गहराई से जुड़ा हुआ है। देवो ने खुद को आधुनिक भारतीय पुरुषों के लिए एक ऐसे ब्रांड के तौर पर स्थापित किया है, जो स्टाइलिश होने के साथ-साथ परंपराओं के प्रति अपनी गहरी समझ और सम्मान को भी बनाए रखता है।

भव्य उद्घाटन समारोह की शुरुआत प्रयागराज के मेयर और मुख्य अतिथि गणेश केसारवानी तथा सियाराम्स के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर गौरव पोद्दार की सम्मानित उपस्थिति में हुई। दोनों ने मिलकर पारंपरिक रिबन काटा और दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। यह आयोजन प्रयागराज के खास व्यक्तियों, प्रसिद्ध सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और समाज के अन्य प्रमुख सदस्यों को आकर्षित करने में सफल रहा।

इस अवसर पर बोलते हुए गौरव पोद्दार ने कहा, 'प्रयागराज, देवो की विरासत और उसके मूल भाव को बखूबी प्रतिबिंबित करता है। इस जीवंत शहर में परंपरा और आधुनिकता का अद्वितीय संगम प्रस्तुत करने पर हमें गर्व है।'ब्रांड के शीर्ष प्रबंधन टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए, विकास मल्होत्रा - वाइस प्रेसिडेंट, सियाराम्स ने कहा, 'हमारे लिए देवो सिर्फ फैशन नहीं है, यह कहानियों, विरासत, और भारतीय संस्कृति की गहराई से जुड़े फैशन के लिए गर्व का प्रतीक है। प्रयागराज में इसे लांच करना बेहद खास है क्योंकि यह शहर देवो की सोच – परंपरा की समृद्धि और आधुनिक दृष्टिकोण के सुंदर संगम – को बखूबी दर्शाता है।'

ज्ञान प्रकाश श्रीवास्तव - ब्रांड हेड, देवो ने कहा, 'यह सिर्फ एक स्टोर का लांच नहीं है, बल्कि प्रयागराज के साथ एक गहरे संबंध की शुरुआत है। देवो - सियाराम्स की पहल, केवल फैशन नहीं बल्कि संस्कृति, विश्वास और गुणवत्ता का प्रतीक है।'

शाम का माहौल जोश और उत्साह से भरपूर था। मेहमानों का मनोरंजन क्लासिकल और मॉडर्न म्यूजिक के अनोखे संगम से किया गया। साथ ही इसके साथ ही, प्रयागराज की समृद्ध संस्कृति को सम्मान देते हुए खाने-पीने की बेहतरीन व्यवस्था ने इस कार्यक्रम को और खास बना दिया।प्रयागराज में देवो का नया स्टोर एक शानदार खरीदारी अनुभव देने के लिए खास तौर पर तैयार किया गया है। स्टोर का इंटीरियर, पर्सनल स्टाइलिंग सपोर्ट और हर चीज ब्रांड की प्रीमियम पहचान को दिखाता है। यहां ग्राहक खास तौर पर तैयार किए गए लुक्स का अनुभव कर सकते हैं, जो उनकी खरीदारी को आसान ही नहीं, बल्कि प्रेरणादायक भी बनाते हैं।इस स्टोर में देवो की सिग्नेचर स्टाइल्स दिखाई गई हैं, जिनमें हाथ से बनी कढ़ाई वाली शेरवानी, इंडो-वेस्टर्न आउटफिट्स, क्लासिक जोधपुरी, कुर्ता-पायजामा और एक्सेसरीज़ शामिल हैं। यह ब्रांड उन आधुनिक भारतीय पुरुषों के लिए बनाया गया है, जो शादी और दूसरे खास मौकों के लिए स्टाइलिश कपड़े एक ही जगह से चुनना चाहते हैं।इस उद्घाटन समारोह ने परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन बनाते हुए देवो के शानदार फैशन को आधुनिक भारतीय पुरुषों की पसंद के अनुरूप फिर से साबित किया। हर नए स्टोर के साथ, कंपनी प्रीमियम एथनिक और खास मौकों के कपड़ों की श्रेणी में अपनी पकड़ और मजबूत करेगी।

भाजपाइयों ने नेक्स्ट जीएसटी रिफार्म जागरूकता अभियान चलाया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। भाजपा राजरुपपुर मंडल के द्वारा शक्ति केंद्र राजरूप पुर में नेक्स्ट जीएसटी रिफार्म जागरूकता अभियान निकाला इस अवसर शहर पश्चिमी के विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह कार्यकर्ताओं के साथ क्षेत्र के दुकानदारों और व्यापारियों से संवाद स्थापित किया और उन्हें जीएसटी सुधार 2025 से होने वाले लाभ और व्यापारियों को राहत और आम जन को सीधे फायदा होने संबंधित विषयों से जानकारी दी।

इस अवसर मंडल अध्यक्ष पारस कुमार श्रीवास्तव, जिला मंत्री राजू राय , मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी, राम जी शुक्ला, पार्षद शिव भारतीय पार्षद मिथलेश सिंह, मनोज मिश्रा अजय हेला, हिमालय श्रीवास्तव, शुभम बाला पांडे, विवेक गौड़, मनोज पाण्डेय, सुशील कनौजिया, आदि मंडल के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए चला जागरूकता अभियान

कीडगंज पुलिस ने केएन काटजू कालेज में छात्राओं को दिये सुरक्षा के टिप्स

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। नारी की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए समर्पित महत्वाकांक्षी अभियन मिशन शक्ति के पांचवे चरण के तहत शुक्रवार को कीडगंज एंटीरोमियो स्क्वायड व महिला बीट की अधिकारियों ने केएन काटजू इंटर कालेज में छात्राओं को जागरूक किया। उनको सुरक्षा के टिप्स दिये गये। इसके बाद पम्फलेट का वितरण किया गया।

पुलिस आयुक्त व अपर पुलिस आयुक्त के निर्देशन में पुलिस उपायुक्त नगर एवं अपर पुलिस उपायुक्त नगर के कुशल पर्यवेक्षण में नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु चलाये जा रहे अभियान 'मिशन शक्ति 5.0' के तहत नगर जोन के कीडगंज थाना में गठित एंटीरोमियों स्क्वाड व महिला बीट अधिकारियों ने केएन काटजू इण्टर कॉलेज कीडगंज में महिला सशक्तिकरण के सम्बन्ध में बालिकाओं, छात्राओं एवं महिलाओं को महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण के संबंध में जागरूक करते हुए गुड-टच, बैड-टच तथा विभिन्न हेल्पलाइन- वूमेन पॉवर लाइन-1090, आपातकालीन सेवा यूपी-112, चाइल्ड हेल्पलाइन-1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076, स्वास्थ्य सेवा-102, एम्बुलेंस-108, साइबर क्राइम-1930 आदि के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही मिशन शक्ति केन्द्र, एण्टी-रोमियो स्क्वाड व आत्मरक्षा सम्बंधी टिप्स आदि के बारे में विस्तृत रुप से जानकारी देकर जागरुक किया गया । कीडगंज थाना प्रभारी संजय कुमार सिंह ने बताया कि मिशन शक्ति के पांचवे चरण के तहत लगातार कालेजों, सार्वजनिक स्थानों में पहुंचकर पुलिस टीम महिलाओं एवं छात्राओं को जागरूक कर रही हैं। नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलबंन के लिए बताया जा रहा है। छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाए जा रहे हैं। इस दौरान निरीक्षक एसएम कासिम उनि सूरज वर्मा, संदीप यादव, सिपाही आसिफ इकबाल खां महिला आरक्षी शशिप्रभा राय, उमेशचन्द्र, अंकिता आदि रहीं।

बाजे-गाजे ध्वज पताका के साथ निकला नयापुरा करैली से आकर्षक चौकियों का रामदल

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। शुक्रवार को राम बारात कमेटी नयापुरा करैली प्रिदर्शिनी नगर प्रयागराज में बाजे-गाजे ध्वज पताका आकर्षक चौकियों संग निकला रामदल।चार दिन के रामलीला कार्यक्रम के पश्चात पांचवे दिन अध्यक्ष कौशल सिंह और महिला मण्डल की अध्यक्ष सीमा कुशवाहा की अगुवाई में भव्य रामदाल निकाला गया। जिसमें पहली बार महिला मण्डल की सैकड़ों महिलाएं रामदल के आगे-आगे शोभा बढा रही थी। ढोल-ताशा, पार्टी बैंड पार्टी, डीजे आकर्षित रोड लाइट और दर्जनों चौकिया निकली गई।भगवान राम और लक्ष्मण की पूजा अर्चना की गई। भगवान को विशाल रथ पर विराजमान कर भक्तों को दर्शन देने के लिए दल को निकाला गया।वही दल के स्वागत में सामाजिक संगठन राष्ट्रीय युवा परिषद की अगुवाई कर रहे अध्यक्ष सनी पासी संगठन के साथियों संग रामदल में चल रहे लोगों का फूल माला पहनाकर स्वागत किया।संचालक कौशल सिंह, सीमा कुशवाहा, रवि केसरवानी, विजय सिंह, प्रमोद भाई, एसपी श्रीवास्तव, विमलेश सोनकर, अगम सिंह, धीरेन्द्र कुशवाहा, मनीष कुशवाहा, सनी पासी, प्रशांत कुशवाहा, राधे मौर्य, अर्पित, अखिलेश मौर्य, गौरव कुशवहा, अनुराग प्रजापति, मोनू कुशवाहा, नीरज साहू, मुन्ना लाल, अविनाश, अनुपम, अखिलेश साहित आदि लोग शामिल रहे । यह जानकारी मीडिया प्रभारी अश्वनी कुमार ने दी।

बच्चों से किया संवाद सेल्फ डिफेंस और हेल्पलाइन नंबर की दी जानकारी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अन्तर्गत आज की कार्ययोजना में शामिल ख्यातिप्राप्त महिलाओं द्वारा विद्यालय का भ्रमण, विद्यालय की बालिकाओं से संवाद व आत्मरक्षा सत्र के संचालक हेतु उच्च प्राथमिक विद्यालय सुजौना जसरा प्रयागराज में लालापुर थाना से सब इंस्पेक्टर खुशबू यादव व सब इंस्पेक्टर कौशलेंद्र प्रताप सिंह का आगमन हुआ।सब इंस्पेक्टर खुशबू यादव ने मिशन शक्ति अभियान के विषय में बताया कि शासन द्वारा महिला सुरक्षा, महिला सम्मान, महिला स्वावलंबन का अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बच्चों को सेल्फ डिफेंस के विषय में जानकारी दिया। बच्चों को विस्तार से सभी हेल्पलाइन नंबर की जानकारी देकर हेल्पलाइन नंबर से संबंधित प्रपत्र भी वितरित किया।बालिकाओं को गुड टच और बैड टच के बारे में भी जानकारी दिया। बालिकाओं से अपनी सफलता की कहानी साझा किया। संवाद सत्र में उन्होंने बालिकाओं के सवालों का जबाब दिया। उन्होंने बालिकाओं को निडर होकर मेहनत से निष्ठापूर्वक पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया।विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्यामाकांत द्विवेदी ने विद्यालय में उनका स्वागत एवं अभिनन्दन किया।बच्चों को मिशन शक्ति से संबंधित जानकारी देने के लिए विद्यालय परिवार की तरफ से धन्यवाद दिया।इस अवसर पर विद्यालय के भारतेन्द्र त्रिपाठी, सुनील कुमार शुक्ल, इरफ़ान अहमद, नाज़िया सुल्ताना, जितेन्द्र कुमार शर्मा, आशीष कुमार गुप्ता, शरद कुमार, शिशिर जायसवाल, राकेश कुमार, पूनम तिवारी, पंकज कुमार गुप्ता आदि लोग उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

शांति से हिंसा तक - क्या अनुच्छेद 370 के बाद किए वादे पर सरकार की चुप्पी ने भड़का दी आग? लद्दाख के आंदोलन में ऐसा क्या हुआ?

किसी भी विरोध प्रदर्शन में अगर लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगें सामने रखी जाएं, तो उसके अंजाम तक पहुंचने और सर्वमान्य हल निकलने की उम्मीद की जा सकती है। विडंबना यह है कि कई बार मुद्दे सुलगते रहते हैं और सरकार को वक्त पर उसका समाधान निकालने की जरूरत महसूस नहीं होती। वहीं लंबे वक्त तक टालमटोल या कोताही आखिरकार असंतोष की स्थिति पैदा करती है। फिर जब प्रतिक्रिया का स्वरूप अनियंत्रित और अराजक होता है, तब कई बार उसे संभालना मुश्किल हो जाता है। लेह में बुधवार को हुई हिंसा इन्हीं स्थितियों का नतीजा लगती है।

गौरतलब है कि लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और संविधान के अनुच्छेद 244 के तहत छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर लेह में लोग आंदोलन पर उतरे हुए थे। पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी दो हफ्ते से भूख हड़ताल पर थे। मगर बुधवार को यह प्रदर्शन हिंसक हो उठा और लोगों ने भाजपा कार्यालय को भी आग के हवाले कर दिया। इसके बाद पुलिसकर्मियों के साथ हुई झड़पों के दौरान कई की जान चली गई और काफी लोग घायल हो गए।

सवाल है कि अपनी मांगों के साथ कई दिनों से शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन कर रहे लोगों के सामने आखिर कैसी स्थिति पैदा हुई कि उन्होंने हिंसक रास्ता अख्तियार कर लिया। पिछले कई दिनों से वहां जैसे शांतिपूर्ण हालात थे, उसमें अराजकता को अचानक उपजी किसी स्थिति का नतीजा मानना थोड़ा मुश्किल लगता है। खासतौर पर जब पूर्ण राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची में शामिल करने का सवाल नया नहीं हो। इसके अलावा, लेह और करगिल के लिए अलग-अलग लोकसभा सीटें तय करने और रोजगार में आरक्षण की मांग भी अहम मुद्दे हैं।

दरअसल, अनुच्छेद 370 खत्म होने के बाद केंद्र सरकार की ओर यह आश्वासन दिया गया था कि लद्दाख को राज्य का दर्जा दिया जाएगा। इस बात को करीब पांच वर्ष हो गए, लेकिन अब भी इस पर स्थानीय समूहों- लद्दाख एपेक्स बाडी और करगिल लोकतांत्रिक गठबंधन के साथ सिर्फ बातचीत ही चल रही है। आखिर केंद्र सरकार की घोषणाओं के समांतर लद्दाख के लोगों की स्पष्ट मांगों के बावजूद सबसे संवेदनशील और जरूरी मुद्दों पर बातचीत के जरिए शांतिपूर्ण तरीके से हल निकालने को लेकर सहमति बनाने को प्राथमिकता क्यों नहीं दी गई?

सच यह है कि जब प्रमुख मांगों को पूरा करने या समस्या का सर्वमान्य हल निकालने को लेकर कोताही बरती जाती है और टालमटोल किया जाता है, तो उससे जुड़े अन्य मुद्दे भी अपना असर डालने लगते हैं। पिछले पांच वर्षों के दौरान वहां बेरोजगारी एक जटिल समस्या बन कर उभरी है। ऐसी शिकायतों ने वहां तूल पकड़ा है कि अलग-अलग बहाने बना कर स्थानीय लोगों को नौकरियों से बाहर रखा जा रहा है और लद्दाख को संरक्षण भी नहीं दिया जा रहा।

ऐसे में स्थानीय लोगों, खासकर रोजगार की उम्मीद में वक्त काटते युवाओं के बीच स्वाभाविक रूप से असंतोष ने जड़ें जमाना शुरू किया। इस तरह की संवेदनशील स्थितियों से अगर समय पर नहीं निपटा जाए, तो कुछ समय बाद उन्हें संभालना मुश्किल होता है। लेह में भड़की हिंसा की तुलना कुछ लोगों ने नेपाल के 'जेन-जी' से करने की कोशिश की है। बेहतर हो कि हमारे देश में अराजकता की स्थिति न उपजे। इसलिए जरूरत इस बात की है कि सरकार बिना देर किए आंदोलनकारियों की मुख्य मांगों और समस्या के मूल बिंदुओं पर विचार करके एक ठोस और सर्वमान्य हल तक पहुंचे, ताकि अवांछित तत्त्वों की किसी साजिश को पांव जमाने का मौका न मिले।

ट्रंप के दबाव के बीच भारत की 7.8इ जीडीपी वृद्धि - अमेरिका को करारा जवाब देते हुए दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनने की ओर कैसे बढ़ रहा देश?

कुछ समय पहले आंकड़े आए कि इस वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में भारत का आर्थिक वृद्धि मूल्य उम्मीद से अधिक 7.8 फीसद तक चला गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा मनमाने तरीके से भारत पर पचास फीसद शुल्क लगाए जाने के क्रम में दिए गए उनके वक्तव्यों में से एक यह भी था कि भारत की अर्थव्यवस्था एक असफल अर्थव्यवस्था है। इसका भारत ने विरोध किया। मगर यह विडंबना ही है कि अमेरिकी मूल की जिन विभिन्न वैश्विक मूल्यांकन एजंसियों ने अप्रैल-जून तिमाही में दुनिया के सभी देशों की तुलना में भारतीय अर्थव्यवस्था का वृद्धि मूल्य सर्वाधिक होने का पूर्वानुमान लगाया था, उसी देश के राष्ट्रपति ने भारत को नाकाम अर्थव्यवस्था कह दिया। मगर यथार्थ के धरातल पर भारत की अर्थव्यवस्था संतुलित, अनुकूल और प्रगतिशील बनी हुई है।

अमेरिका को निर्यात होने वाली भारतीय वस्तुओं तथा कुछ सामग्रियों पर पचास फीसद शुल्क लगाने से फिलहाल जो भी नुकसान होगा, उसका आकलन बाद में आएगा और उपाय भी निकलेंगे। मगर पूर्व निवारक उपाय के रूप में देश के कृषि एवं सेवा क्षेत्र के उत्तम प्रदर्शन के बल पर सकल घरेलू उत्पाद में तीव्र वृद्धि लगभग तय है। हमारी अर्थव्यवस्था दूसरे देशों के मुकाबले अधिक संतुलित है। जिन क्षेत्रों के कारण आर्थिक मूल्य में वृद्धि हुई है, उनमें प्रमुख रूप में कृषि, होटल, वित्तीय एवं जमीन-जायदाद कारोबार जैसी व्यवसायगत सेवाएं सहायक रही हैं।

दुनिया के सभी देशों को पीछे कर भारत अभी भी सर्वाधिक तेजी से प्रगति करने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है। वर्तमान वित्तीय वर्ष के अप्रैल-जून की तिमाही में दुनिया के दूसरे संपन्न देश चीन की जीडीपी में 5.2 फीसद की आर्थिक वृद्धि हुई है, जो भारत से 2.6 फीसद कम है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने अगस्त के आरंभ में वर्ष 2025-26 की वास्तविक जीडीपी वृद्धि का अनुमान 6.5 फीसद लगाया था। इसके अनुसार, भारतीय जीडीपी प्रथम तिमाही में 6.5, द्वितीय तिमाही में 6.7, तृतीय तिमाही में 6.6 तथा चतुर्थ तिमाही में 6.3 फीसद तक बनी रह सकती है। जीडीपी यानी सकल घरेलू उत्पाद से अभिप्राय एक निश्चित अवधि में देश की भौगोलिक सीमा के अंदर उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के कुल मूल्य अंकन से है। भारत के संदर्भ में वर्तमान तिमाही अवधि से पहले जीडीपी में जो उच्चतम वृद्धि हुई थी, वह वर्ष 2024 की अंतिम तिमाही जनवरी-मार्च में 8.4 फीसद थी।

उस दौरान भारत पर अमेरिका की ओर से शुल्क संबंधी तथा अन्य भू-राजनीतिक दबाव विचार स्तर पर ही थे और वास्तविक रूप से लागू नहीं हुए थे, तब 8.4 फीसद का आर्थिक वृद्धि मूल्य था, लेकिन अभी की तिमाही में तो अमेरिका से लेकर यूरोपीय देशों तक ने रूस से कच्चा तेल खरीदने के मामले में भारत से आर्थिक भेदभाव किया। यही नहीं, अर्थव्यवस्था से संबंधित अन्य प्रतिबंध तक लगाए जाने लगे। इन वैश्विक झंझावातों, उपेक्षा और तमाम कठिनाइयों में भी अब यदि भारतीय अर्थव्यवस्था में वृद्धि मूल्य 7.8 फीसद है, तो यह आर्थिक उन्नयन का ही एक उदाहरण है। ऐसी आर्थिक वृद्धि अर्थशास्त्रियों और विशेषज्ञों के लिए विचार, परीक्षण तथा शोध का विषय है।

राष्ट्रीय सांख्यिकीय संगठन (एनएसओ) के आंकड़ों के अनुसार, जीडीपी की 7.8 फीसद मूल्य वृद्धि में सर्वाधिक भूमिका 3.7 फीसद के साथ कृषि क्षेत्र की है, जो वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-जून तिमाही में 1.5 फीसद थी। वित्त वर्ष 2025-26 की प्रथम तिमाही में विनिर्माण क्षेत्र का वृद्धि मूल्य बढ़ कर 7.7 फीसद हो गया है, जबकि एक वर्ष पहले इसी तिमाही में इस क्षेत्र का वृद्धि मूल्य 7.6 फीसद था। वर्तमान वित्त वर्ष की प्रस्तुत तिमाही ही नहीं, बल्कि आगामी तिमाहियों में भी घरेलू मांग बढ़ने के कारण अर्थव्यवस्था में तेजी से वृद्धि होने की संभावना है, क्योंकि एक ओर वर्षा ऋतु में अधिक बारिश कृषि क्षेत्र को फायदा पहुंचाएगी, वहीं त्योहारी महीने में बाजारों में उपभोक्ताओं के आने से कारोबार चमकेगा, जिससे राजस्व में वृद्धि होगी।

भारत पर अमेरिकी शुल्क के प्रभाव का व्यापक आकलन नवंबर 2025 के बाद ही संभव है। तब तक ब्रिटेन के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौते के धरातल पर आने के बाद परिणाम आने की संभावना है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था में होने वाले विचलन, ठहराव और असंतुलन को न्यूनतम सीमा तक थाम सकेगा। मुक्त व्यापार के क्रियान्वयन के लिए भारत ने अन्य देशों के साथ जो समझौते किए हैं, वे भी किसी सीमा तक भारतीय अर्थव्यवस्था की सहायता अवश्य करेंगे। जापान की ओर से किया जाने वाला निवेश भी भारतीय आर्थिकी के लिए लाभदायी होगा।

यदि चीन के साथ भारत के भू-राजनीतिक संबंधों में दीर्घकालीन संतुलन स्थापित होता है तथा यह निरंतर बना रहता है, तो निश्चित रूप में दोनों देशों की परस्पर व्यापारिक सहभागिता बढ़ेगी। इसके जरिए न केवल भारत, बल्कि चीन के लिए भी आर्थिक प्रगति के नए अवसर पैदा होंगे। दोनों ही देशों की अर्थव्यवस्था अप्रत्याशित रूप में सशक्त हो सकेगी।

चीन तथा भारत यदि साथ मिल कर वैश्विक अर्थव्यवस्था चलाएंगे, तो अमेरिका की ओर झुका हुआ वैश्विक शक्ति का पलड़ा दक्षिण एशियाई क्षेत्र की ओर अवश्य घूमेगा। इस दिशा में शासकीय अर्थव्यवस्था संभालने वाले वित्त मंत्रालय सहित सभी वित्तीय प्रतिष्ठानों को कई नए उपाय करने के साथ ठोस कदम उठाने होंगे। इसकी कवायद शुरू करनी होगी।

वर्तमान तिमाही में कृषि एवं विनिर्माण जैसे जिन दो क्षेत्रों में अधिक जीडीपी बढ़ी है, उन क्षेत्रों से संबंधित नवीनतम, व्यापक और दीर्घकालिक नीतियों को पूरे आत्मविश्वास तथा संकल्प के साथ लागू करना होगा। इसके लिए केंद्र तथा राज्यों को विनिर्माण इकाइयों के रूप में भारी उद्योगों, उत्पादन इकाइयों के रूप में सभी प्रकार के उद्योगों, वितरण इकाइयों के रूप में सेवा क्षेत्र की सभी शाखाओं तथा उपभोग इकाई के रूप में नागरिकों को प्रोत्साहित करना होगा।

सूक्ष्म, मध्यम और लघु उद्यमों की सभी छोटी-बड़ी आवश्यकताएं पूरी करनी होंगी। उनकी समस्याओं और कठिनाइयों को भी समझना होगा। आवश्यकता के मुताबिक उनका त्वरित निदान करने की कार्य संस्कृति विकसित करनी होगी। इस संस्कृति का पूरी निष्ठा और समर्पण भावना के साथ पालन करना होगा। अर्थव्यवस्था में निरंतर उच्च वृद्धि के लिए शासन से लेकर जनसाधारण तक, सभी में राष्ट्रीय भावना, कर्त्तव्य तथा दायित्वों के प्रति अपेक्षित समर्पण अनिवार्य है। इस संगति के बिना आर्थिक समृद्धि की लक्षित और निर्धारित उपलब्धियां प्राप्त नहीं हो सकती हैं।

भारत को अमेरिकी चुनौतियों तथा वैश्विक अस्थिरता के बीच अर्थव्यवस्था के स्वदेशी तथा विदेशी, दोनों प्रकार के कारकों का ध्यान रखना होगा। आर्थिक रूप में निरंतर शक्ति संपन्न बनने की दिशा में कार्य करना होगा। यदि आर्थिक प्रगति के आधार पर भारत कभी चीन और अमेरिका से आगे बढ़ कर प्रथम पंक्ति में खड़ा होगा, तो इसका वैश्विक अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव नहीं होगा। भारतीय अर्थतंत्र जितना अधिक मजबूत होगा, विश्व की अर्थव्यवस्था उतनी ही सुगठित और स्वस्थ होगी।

अगर सब कुछ पैसा ही है तो पैसे वालों की जिंदगी में सुकून क्यों नहीं है? सवाल वही - बाजार में चैन क्यों नहीं बिकता?

यह मनुष्य का स्वभाव है कि उसके लिए पद, पैसा और प्रतिष्ठा प्राप्त करने की चाहत का अंतिम छोर कहीं नहीं होता। आमतौर पर जमाने भर की उठापटक इसी सोच के तहत चलती रहती है कि जो कुछ प्राप्त है, वह अपर्याप्त है। दरअसल, 'जितना मिल सका है, उससे और ज्यादा' के चक्र में आदमी कभी-कभी इस कदर उलझ जाता है कि फिर उसके लिए नैतिक और अनैतिक में भेद करना जरूरी नहीं रह जाता। मन की चाहत के अनुरूप सब कुछ हासिल करने का ही भाव मन में बना रहता है। चाहे इसके एवज में मान-सम्मान ही दांव पर क्यों न लग जाए। इस संदर्भ में यह उल्लेख करना भी जरूरी है कि कहीं-कहीं ऐसी मानसिकता के भी दर्शन होते हैं कि पद है, पैसा है, तो प्रतिष्ठा तो उसके संग दौड़ी-दौड़ी चली आएगी।

दरअसल, हम अपने आसपास के परिवेश पर ही दृष्टिपात करें, तो काफी हद तक ऐसी मानसिकता के उदाहरण देखने को मिल सकते हैं। आमतौर पर ऐसी शख्सियत राजनीतिक, व्यावसायिक या सामाजिक कवच धारण किए हुए होती है। यही कारण है कि फिर इनके सामने कभी-कभी कानून की पकड़ भी ढीली पड़ जाती है। यह वर्ग बदनामी में भी 'नाम' को लेकर आश्वस्त हो सकता है। अलग-अलग क्षेत्र के विभिन्न माफियाओं की ताकत का अंदाजा लगभग सभी को है। वास्तव में पद और पैसे की प्राप्ति राजनीतिक या सामाजिक पहुंच के आधार पर होने लगी है। धन कुबेर व्यापारिक वर्ग भी तमाम तरह की व्यवस्थाओं को अपनी अंगुली पर नचाने का माद्दा रखने लगा है।

देखते ही देखते राजनीतिक और सामाजिक व्यवस्थाएं भी तीव्र गति से अर्थ प्रधान होती चली जा रही है। हालांकि धर्म, ध्यान के प्रति समर्पित भाव भी उफान पर दिखाई देता है। विभिन्न धार्मिक समागम में बड़ी संख्या में भक्तों का जमावड़ा भी देखा जा सकता है, धर्म के मर्म को समझ कर उसके अनुरूप आचरण और व्यवहार अपेक्षाकृत कम ही दिखाई देता है। सब कुछ बाहरी तौर पर ही संपन्न होता दिख रहा है। तमाम तरह के आडंबर और 'शक्ति परीक्षण' के दृश्य दिखाई देने लगे हैं। परमात्मा के प्रति अगाध भक्तिभाव के प्रदर्शन का पैमाना भी काफी हद तक आर्थिक होने लगा है। इसके चलते धर्म जगत में भी 'वीआइपी कल्चर' यानी अति-महत्त्वपूर्ण लोगों को तरजीह देने का चलन देखने को मिल सकता है।

सामाजिक परिवेश में देखते ही देखते तमाम तरह के अपराधों की लगातार बाढ़-सी आती जा रही है। कानून की पकड़ को कानून से कमजोर करने का सिलसिला भी लगातार परवान चढ़ता जा रहा है। हर तरफ तथाकथित तरक्की की दौड़ में लगभग हर कोई शामिल है। जैसे-जैसे इंसान अपनी जिंदगी के किनारे लगता जाता है, वैसे-वैसे मन की चाहत का सिलसिला भी लगातार विस्तार पाता जाता है। वैसे यह जरूर है कि हर क्षेत्र में तरक्की की कामना सभी को होती है, लेकिन एक तथ्य यह भी है कि हर आती-जाती सांस हमारे जीवन का क्षरण करती जा रही है। विडंबना है कि हम इस दिशा में जानकर भी अनजान बनते हैं। एक प्रकार से बहुत ही भ्रम की स्थिति में हम खड़े हैं।

एक जमाने में 'आंख में शर्म' कुछ इस कदर होती थी कि जहां कहीं कोई विवाद तूल पकड़ लेता, हिंसक उपद्रव होने लगता, भारी मात्रा में हथियारों का उपयोग कर प्रतिस्पर्धी को ठिकाने लगाने की तैयारी होती, ऐसे माहौल में अगर कोई संभ्रांत शख्सियत सड़क पर उतर आती, तो कई बार देखते ही देखते केवल आंख में शर्म के चलते बहुत सारे उपद्रवी एकदम शांत हो जाते। प्रतिष्ठित लोगों को अपना पंच बनाकर बड़े से बड़े विवाद सुलझाया जा सकता था। दरअसल, एक दौर में प्रतिष्ठित लोग वास्तव में प्रतिष्ठित होते थे। जन-जन के अंतर्मन में प्रतिष्ठित व्यक्तित्व की प्रतिष्ठा को लेकर गहरा सम्मान हुआ करता था। कई बार 'शर्म और लिहाज' से ही बिगड़ी कानून और व्यवस्था नियंत्रित हो जाती थी।

आज के परिदृश्य में आखिरकार क्या सही है और क्या गलत, इसके निर्धारण की कसौटी ही खोटी सिद्ध होने लगी है। ऐसी स्थिति में अंतरात्मा के सुकून के लिए आखिर आदमी कहां जाए, क्या करे? इस संदर्भ में सोचते और विचारते हुए संसार की वास्तविक स्थिति का आकलन करना आसान नहीं है। निश्चित रूप से हम अंतरात्मा में सुकून की दिव्य अनुभूति करना चाहते हैं, तो हमें पद, पैसे और प्रतिष्ठा की चाहत के भाव को तिलांजलि देनी होगी। वैसे भी सच्चे सुख की तलाश में कहीं और भटकने की कहीं कोई आवश्यकता नहीं होती है। आखिर हमें जीवन में कितना कुछ चाहिए होता है? संसार में जो भी आया है, खाली हाथ आया है और खाली हाथ जाना है। फिर परिग्रह के प्रति ऐसा अदम्य आग्रह क्यों?

आजकल तो यह प्रवृत्ति और ज्यादा बढ़ती जा रही है कि जिसके पास ज्यादा धन है, वह उसमें तेज रफ्तार से बढ़ोतरी करने के लिए हर तरह के उचित-अनुचित तरीके अपनाने में नहीं हिचकता। ऐसा लगता है कि उसे धन या संपत्ति के किसी खास स्तर को प्राप्त करना है और उसके बाद उसके जीवन को अभयदान मिल जाएगा। सवाल है कि इस होड़ में क्या समाज और दुनिया का बहुत बड़ा तबका पीछे नहीं छूट रहा है, जिसके जीवन की सुरक्षा और सहजता को लेकर कहीं भी फिक्र नहीं देखी जा रही है।

लद्दाख के जेन-जेड क्रांति से सबक सीखे भारत, अन्यथा.....!

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर जारी आंदोलन ने गत्वबुधवार को हिंसक रूप अख्तियार कर लिया है। इसके बाद लेह में प्रदर्शनकारी छात्रों की सुरक्षाबलों से झड़प हुई, जिसमें 4 लोगों की मौत हुई और 70 से ज्यादा घायल है। वहीं, प्रदर्शन के दौरान बीजेपी के ऑफिस और सीआरपीएफ की गाड़ी में आग लगा दी गई। चूंकि यह अतिवादी कार्रवाई है। इसलिए हिंसा पर काबू पाने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। वहीं, हालात को देखते हुए लेह में कर्फ्यू लगा दिया गया। बिना मंजूरी के रैली और प्रदर्शनों पर रोक लगा दी गई है।

बताते चलें कि लद्दाख को राज्य का दर्जा समेत कई मांगों पर सोशल ऐक्टिविस्ट सोनम वांगचुक विगत 15 दिनों से भूख हड़ताल पर थे। लिहाजा, उनकी मांगे पूरी न होने पर प्रदर्शनकारियों ने बुधवार को बंद बुलाया। इसी सिलसिले में सोशल मीडिया पर लोगों से लेह हिल काउंसिल पहुंचने की अपील की गई। जिसके बाद गत बुधवार को सैकड़ों की संख्या में आंदोलनकारी सड़कों पर उतरे। इसी दौरान हिंसा हुई। सरकारी सूत्रों ने कहा कि हिंसा में राजनीति से प्रेरित साजिश की बूआ रही है।

वहीं, केंद्र सरकार ने दो टूक शब्दों में कहा है कि सोनम वांगचुक के उकसाऊ बयानों से यह हिंसा भड़की है। इससे पहले वांगचुक ने हिंसा पर दुख जताते हुए अनशन तोड़ दिया। उन्होंने इन घटनाओं के लिए जेन-जेड (1997 से 2012 के बीच जन्म लेने वाली पीढ़ी) की हताशा को जिम्मेदार ठहराया और शांति की अपील की। उल्लेखनीय है कि प्रदर्शनकारियों की 4 अहम मांगें हैं- लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा, पूर्वोत्तर की तरह संवैधानिक सुरक्षा, करगिल, लेह की अलग-अलग लोकसभा सीट और सरकारी जॉब्स में में स्थानीय लोगों की भर्ती।

इससे स्पष्ट है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और चीन के हमदर्द राहुल गाँधी जो नेपाल-बंगलादेश की तरह पूरे देश में यही कुछ चाहते थे, के मनोरथ पूर्ण होने की तरफ बात बढ़ चली है। यदि शेष भारत में गृहयुद्ध भड़कता है तो इसके लिए इस देश में केवल विपक्षी दल, कथित सिविल सोसायटी और बाहरी शक्तियाँ, यथा- अमेरिकी डीप स्टेट तथा इस्लामिक अतिवादी संस्थाएं दोषी तो होंगी ही, साथ ही साथ इस बद से बदतर स्थिति के लिए कथित राष्ट्रभक्त हिंदू और सनातन धर्म प्रेमी लोगों का एक बड़ा तबका भी होगा जो उनके इशारे पर थिरकते हैं।

ऐसा इसलिए कि आप लद्दाख की इस घटना से लेकर नेपाल के हाल-फिलहाल के वाक़ये तक इनके द्वारा लिखी व बोली गई अनाप-शनाप बातों से अंदाजा लगा सकते हैं।वास्तव में ये जाने-अनजाने में देश धर्म विरोधी तत्त्वों के हथियार बन रहे हैं। यह गम्भीर बात है। इससे संवैधानिक सफलता भी संदिग्ध हुई है। सच कहूं तो भारत के अतिसंवेदनशील केंद्र शासित प्रदेश 'लद्दाख' से जेन-जेड क्रांति का जो आगाज दिखाई-सुनाई पड़ा है, यह हमें समय रहते ही सावधान करने के लिए काफी है। यह स्थिति किसी भी लोकतंत्र के लिए शर्म की बात है। चाहे सम्बन्धित सेना हो या सिविल व पुलिस प्रशासन, यदि उनके द्वारा अमेरिकी खुफिया इकाई सीआईए द्वारा प्रोत्साहित इस कथित जेड-जेन क्रांति को सख्ती पूर्वक नहीं कुचला गया तो उनका भविष्य भी अंधकारमय हो जाएगा!

बेहतर होगा कि इस स्थिति के लिए जिम्मेदार लोगों को अविलंब कैद करके उन्हें आजीवन कारावास या फांसी की सजा दी जाए, क्योंकि उनके कुकर्मों से धन-जन की हानि हुई है, अन्यथा भारतीय लोकतंत्र में भी एक गलत ट्रेंड स्थापित हो जाएगा। एशियाई लोकतंत्र की सफलता पर सवाल उठेंगे। ऐसा इसलिए कि पश्चिमी लोकतंत्र खूनी लोकतंत्र है, पक्षपाती डेमोक्रेसी है। जिसका मकसद दुनिया भर में लोकतांत्रिक जनभावना मजबूत करना नहीं, बल्कि अपने आर्थिक व साम्राज्यवादी लाभ के लिए दुनिया में कठपुतली सरकार कायम करना है।

यही वजह है कि जेन-जेड जैसी कथित क्रांति से हो रहे सत्ता परिवर्तन और बन रही कठपुतली सरकारों को दुनियावी लोकतंत्र की सफलता के लिहाज से उचित नहीं समझा जा सकता है। इसलिए लद्दाख घटनाक्रम के बाद भारत को ठोस और प्रभावी कदम उठाने ही होंगे और इससे अपने पड़ोस को भी लाभान्वित करने की सद्भावना रखनी होगी।

कहना न होगा कि 2014 की सनातन युवा क्रांति के बाद बनी भाजपा नीत मोदी सरकार की सफलता से ही भारत, अमेरिका-चीन और अरब देशों के निशाने पर है। इसलिए श्रीलंका, अफगानिस्तान, बंगलादेश, नेपाल आदि में जो जेन-जेड क्रांति हुई, उसका मकसद भारतीय राजनेताओं और सेना के धैर्य की परीक्षा लेना था। जब हम लोकतंत्र की पैरोकारी में मजबूती पूर्वक विफल रहे तो लद्दाख जेन-जेड क्रांति हमें मुबारक कर दिया गया।

सवाल है कि यह भी प्रयोग केरल, पश्चिम बंगाल और जम्मू-कश्मीर के बजाय बौद्ध धर्म बहुल लद्दाख में करवाया गया ताकि बौद्धों के प्रति हिंदुओं के मन में नफरत पैदा हो और चीन-भारत व तिब्बत-भारत के रिश्तों में पलीता लगे। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि यदि अफगानिस्तान, श्रीलंका, बंगलादेश, नेपाल में लोकतांत्रिक तरीके से सत्ता परिवर्तन हुआ होता तो बेहतर होता। लेकिन चरमपंथियों और हिंसकों को कुचलने के बजाय स्थानीय सेना व प्रशासन द्वारा ऐसे अराजक तत्वों से बात करने से समकालीन लोकतंत्र के प्रति गलत संदेश गया है।

लिहाजा, अविलंब इसकी भरपाई के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ, अमेरिका, रूस और चीन आदि के साथ मिलकर अराजक तत्वों पर कार्रवाई की जानी चाहिए, अन्यथा असहयोग मिलने पर भारत की सेना को ही इन पर आक्रमण करके इन्हें भारतीय भूभाग में मिला लेना चाहिए। इसके साथ ही पश्चिमी देशों व ब्रिक्स देशों जैसे लोकतंत्र के कथित दरिंदों को ग्लोबल साउथ के समक्ष बेनकाब करने की स्पष्ट रणनीति अख्तियार करनी चाहिए।

कहने का तातपर्य यह कि विधि के शासन को बहाल करने के लिए भारत व उसके पड़ोसी देशों की सेना को आपसी सांठगांठ करके व स्थानीय सिविल व पुलिस प्रशासन को भरोसे में लेकर निर्णायक कार्रवाई करनी चाहिए। इस दिशा में हर तरह की कुर्बानी के लिए भी तैयार रहना चाहिए और किसी तरह के 'कत्लेआम' से गुरेज नहीं करना चाहिए। अन्यथा भारत विकास और सुशासन की रेस में पिछड़ जाएगा।

समकालीन जेन-जेड की हिंसक प्रवृति को देखते हुए लोगों को आशंका है कि जी-7 और ब्रिक्स के कतिपय चतुर सुजान देश यही अराजकता चाहते हैं, ताकि उनके गोला-बारूद की खपत बढ़े। इसी की आड़ लेकर वे दुनियावी प्राकृतिक संसाधनों को लूट सकें। इसलिए भारत को अविलंब जिला स्तर पर अपनी तैयारी को धार दी जानी चाहिए, ताकि हिंसक व अराजक तत्वों को उनकी औकात में रखा जा सके। अन्यथा यह 'खूनी लोकतंत्र' भविष्य में अमेरिकी पूंजीपतियों का गुलाम हो जाएगा। बहरहाल ये अराजकता पैदा करके हथियार बेचेंगे और भारतीय उपमहाद्वीप भी अरब व खाड़ी देशों की तरह झुलसता रहेगा।

बताते चलें कि कथित पूर्ण राज्य का दर्जा और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर लद्दाख में चल रहा प्रदर्शन जिस प्रकार से हिंसक हो गया और भाजपा के कार्यालय तक को निशाना बनाया गया, उसमें भाड़े के उत्पाती शामिल नहीं हैं तो क्या हैं? यह ठीक है कि सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की अगुआई में लंबे वक्त से यह मांग उठायी जा रही है और इसे लेकर केंद्र से कई दौर की बातचीत भी हो चुकी है। लेकिन, इस दौरान इस सोच का हिंसा का हो जाना दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक दोनों है और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि पूरे देश में एक सही संदेश जाए।

यह ठीक है कि सरकार ने अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 और 35-ए के प्रावधान हटाने के साथ ही जम्मू-कश्मीर से अलग कर लद्दाख को केंद्र शासित राज्य बनाया था। तब सरकार ने वादा किया था कि हालात सामान्य होते ही पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल कर दिया जाएगा। लेकिन अब ऐसा लगता है कि 6 साल बाद लोगों का भरोसा और सब्र डगमगाने लगा है। फिर भी लेह में हिंसा होना दुर्भाग्यपूर्ण है। इसके पीछे विदेशी ताकतों के हाथ की पड़ताल और जम्मू-कश्मीर सरकार की परोक्ष भूमिका की जांच होनी चाहिए।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि सोनम वांगचुक इस मुद्दे पर पिछले कई महीनों से आंदोलनरत रहे हैं। पिछले साल मार्च में भी वह 21 दिनों के आमरण अनशन पर बैठे थे। उसके बाद दिल्ली तक पदयात्रा निकाली। इस समय भी उन्होंने 15 दिनों का चूंकि लेह में हुए प्रदर्शन को जेन-जेड का आंदोलन कहा जा रहा है। क्योंकि कुछ दिनों पहले यही पीढ़ी नेपाल में सत्ता बदल चुकी है। लेकिन, नेपाल और लद्दाख की तुलना कतई नहीं की जा सकती है। और न ही हिंसा को किसी भी तरह से जायज ठहराया जा सकता है। वैसे भी सोनम वांगचुक का पूरा आंदोलन अहिंसक रहा है। यहां तक कि सरकार से मतभेद होने पर भी उन्होंने बातचीत का रास्ता नहीं छोड़ा है। लिहाजा, उनके समर्थन में खड़े युवाओं को इसे समझना चाहिए। क्योंकि विदेशी शह प्राप्त हिंसा से उनकी समस्या और अधिक जटिल हो जाएगी।

ऐसे में स्वाभाविक सवाल है कि आखिर इसका समाधान क्या हो सकता है? भारत के प्रगतिशील लोगों की राय है कि इसके लिए लद्दाख के लोगों की चिंता पर संवेदनशीलता से विचार करने की जरूरत है। क्योंकि उनमें यह डर है कि अगर शासन उनके हाथ में न रहा तो प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन होगा। चूंकि छठी अनुसूची, स्वायत्तता और स्वशासन के कुछ विशेष अधिकार देती है। इसलिए असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम के जनजातीय क्षेत्र की तरह ही लद्दाख को भी इस सूची के तहत सुरक्षित किये जाने की पहल अविलंब की जानी चाहिए।

बताया गया है कि केंद्र सरकार और आंदोलन में शामिल लेह एपेक्स बॉडी व कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस के बीच आगामी 6 अक्टूबर को बातचीत प्रस्तावित है। इसलिए लोगों में यह विश्वास पैदा करना जरूरी है कि फैसलों में लद्दाख के हितों का ख्याल रखा जाएगा। इसका सबसे बेहतर तरीका पारदर्शिता है। वहीं, जनता को भी समझना होगा कि सरकार के लिए हर मांग मानना और तुरंत मानना संभव नहीं होता है। इसके लिए भी कमेटी गठित करनी पड़ती है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में पीसीपीएनडीटी अधिनियम की जिला सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

अल्ट्रासाउंड व डायग्नोस्टिक सेंटर में नामित चिकित्सक के अलावा यदि किसी अप्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा अल्ट्रासाउंड करते पाया जाता है तो सेंटर तत्काल होगा सीज-डीएम

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में पी0सी0पी0एन0डी0टी0 अधिनियम की जिला सलाहकार समिति की बैठक संपन्न हुई। जिसमें विगत माह के अल्ट्रासाउंड सेंटरों की निरीक्षण रिपोर्ट, नवीन व नवीकरण हेतु पत्रावली पर चर्चा, चिकित्सक व स्थल परिवर्तन, पोर्टल पर पंजीकरण, मिथ्या ग्राहक द्वारा निरीक्षण के संबंध में व अन्य बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।

जिलाधिकारी ने सख्त निर्देश दिया कि जनपद के समस्त अल्ट्रासाउंड व डायग्नोस्टिक सेंटर में नामित चिकित्सक के अलावा यदि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अल्ट्रासाउंड करते पाया जाता है तो सेंटर तत्काल सीज कर दिया जाएगा। जिलाधिकारी ने समस्त अल्ट्रासाउंड व डायग्नोस्टिक केंद्र संचालकों को निर्देश दिया कि नामित चिकित्सक की बड़ी फोटो केंद्र में लगाए जिससे मरीज को स्पष्ट पता चले कि उनका अल्ट्रासाउंड नामित चिकित्सक ही कर रहा है या कोई अवैध व्यक्त। अल्ट्रासाउंड कक्ष में सीसीटीवी लगाया जाएगा जिसमें अल्ट्रासाउंड करने वाले चिकित्सक का चेहरा दिखे। भ्रूण हत्या जैसे घिनौने अपराध की रोकथाम, सेवायोजित चिकित्सक के बजाय अप्रशिक्षित व्यक्तियों द्वारा अल्ट्रासाउण्ड जॉच पर अंकुश लगाने हेतु डीएम ने सभी एसडीएम/समुचित अधिकारी को निर्देशित किया कि अल्ट्रासाउण्ड सेन्टरों पर औचक निरीक्षण करें, तथा अप्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा अल्ट्रासाउण्ड जॉच करते पाये जाने एवं पत्रावलियों के अपूर्णता पर तत्काल सेन्टर को सीज करने की कार्यवाही करें।

बैठक में तहसील स्तरीय समुचित प्राधिकारी/उप

जिलाधिकारी द्वारा जॉच हेतु निरीक्षण बिन्दु व अधिनियम में उल्लेखित अधिकार पर बल दिया गया। जिला समुचित प्राधिकारी/जिलाधिकारी ने बताया कि पीसीपीएनडीटी अधिनियम के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी/उप जिलाधिकारी द्वारा कोर्ट में परिवार दाखिल कराये। समस्त एसडीएम अपने सम्बन्धित तहसील में 03 माह के अन्दर सभी अल्ट्रासाउण्ड सेन्टरों को चेकलिस्ट के साथ एक बार अवश्य व्यापक जॉचकर निरीक्षण रिपोर्ट भेजें। निरीक्षण में कमी व अनियमितता पाये जाने पर तत्काल प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित किया जाय। डीएम ने सभी समुचित कार्यकारी को निर्देशित किया कि पीसीपीएनडीटी एक्ट 1994 के सभी बिन्दुओं का गहनता से अवलोकन कर अल्ट्रासाउण्ड सेन्टरों पर विधिक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

जनपद में मिथ्याग्राहक हेतु एन0जी0ओ का चयन कर जनपद में संचालित अल्ट्रासाउण्ड सेन्टरो की जॉच हेतु जिला सलाहकार समित द्वारा सहमति प्रदान की गयी। जिलाधिकारी ने जागरूक किया कि मिथ्या ग्राहक बनकर निरीक्षण में साथ देने पर 20 हजार प्रोत्साहन राशि प्रदान किया जाता है। सीएमओ डॉ0 संतोष कुमार चक ने बताया कि रेडियोलाजिस्ट, सोनोलॉजिस्ट, एमडी क्लीनिकल वैध सेवायोजित डॉक्टरों द्वारा ही सभी अल्ट्रासाउण्ड सेन्टरों पर जॉच सुनिश्चित किया जाय।

प्रधानमंत्री मातृत्व योजना के अन्तर्गत गर्भवती महिलाओं का प्रत्येक माह की दिनांक 01, 09, 16, एवं 24 को निःशुल्क अल्ट्रासाउण्ड करने हेतु जनपद के 09 अल्ट्रासाउण्ड सेन्टर पंजीकृत है। नवीन पंजीकरण हेतु प्राप्त पत्रावली, स्थल परिवर्तन हेतु प्राप्त पत्रावली सम्यक विचारों प्रांत निर्णय लिया गया। बैठक में सदस्यगण डा0 एस0के0 चक, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डॉ0 ओ0पी0 शुक्ला नोडल पी0सी0पी0एन0डी0टी0, उप जिलाधिकारी गण, विधिक सलाहकार मुकेश उपाध्याय, डॉ पंकज कुमार, जिला सूचना अधिकारी, संजय श्रीवास्तव, डा0 अनिल कुमार पाण्डेय, रेडियोलाजिस्ट महाराजा चेत सिंह जिला चिकित्सालय ज्ञानपुर, डा0 शालिनी पाठक स्त्री रोग विशेषज्ञ, डा0 रामा आशिष उपस्थित रहे।

'नारी शक्ति, देश की भाग्य विधाता'

मिशन शक्ति फेज 5.0 अभियान के अंतर्गत ज्ञान देवी इंटर कॉलेज भदोही के दसवीं की छात्रा को बनाया गया सांकेतिक प्रभारी निरीक्षक भदोही

भदोही। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा सम्मान स्वालंबन को बढ़ावा देने के लिए संचालित मिशन शक्ति फेज 5.0 अभियान के अंतर्गत बालिकाओं को जीवन में सपनो को साकार करने हेतु ज्ञान देवी इंटर कॉलेज भदोही के 10वीं की छात्रा मरियम अंसारी को एक दिन के लिए सांकेतिक प्रभारी निरीक्षक भदोही बनाया गया। उनके द्वारा थाना भदोही में शिकायतकर्ताओं के प्रार्थना पत्र को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु अधीनस्थों को आदेशित किया गया ।

ऐसे कार्यक्रमों से छात्राओं/बालिकाओं में अपने जीवन में ऊंची उड़ान भरने के लिए सकारात्मक सोच विकसित होती है तथा वह समाज में एक सशक्त नारी शक्ति बनकर समाज के साथ समान हिस्सेदारी से मिलकर विकसित समाज बनाती है।

सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत किया गया आयोजन

सांसद डॉ विनोद बिंद द्वारा आयोजित निःशुल्क मेडिकल चेकअप कैम्प में 700 से ज्यादा मरीजो का हुआ इलाज

भदोही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन विषयक सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत कोइलरा गांव में सांसद डॉ विनोद बिंद की अध्यक्षता में फ्री मेडिकल चेकअप कैंप का आयोजन किया गया । इस मेडिकल कैंप में सांसद डॉक्टर विनोद बिंद के अलावा अन्य वरिष्ठ डॉक्टरों की टीम ने मरीजो का चेकअप किया।

10 दिन की फ्री दवा, ब्लड जांच समेत अन्य सुविधा कैम्प में मौजूद रही। सेवा पखवाड़ा के तहत आयोजित निशुल्क मेडिकल चेकअप कैंप में कोइलरा गांव समेत जनपद के विभिन्न इलाकों से मरीज पहुंचे जहां लोगों ने चिकित्सकों से परामर्श लिया है इस कैंप में 10 दिन की दवा निशुल्क वितरित की गई साथ ही ब्लड की जांच , बीएमडी संबंधित रोगों की जांच निशुल्क की गई है। सांसद डॉक्टर विनोद बिंद ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्म दिवस के अवसर पर सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं इसी क्रम में यह कैंप आयोजित किया गया। कैंप के माध्यम से इलाज निशुल्क किया गया है। कार्यक्रम का आयोजन गोपुर गोपीगंज में स्थित रामादेवी फैक्चर हॉस्पिटल एवं ट्रामा सेंटर के सौजन्य से किया गया। मेडिकल कैंप में जिलाधिकारी शैलेष कुमार, पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक, औराई विधायक दीनानाथ भास्कर , भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा , औराई ब्लॉक प्रमुख बृजमोहन मिश्रा समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

जल जीवन मिशन के निर्माणाधीन परियोजनाओं की डीएम ने की प्रगति समीक्षा बैठक

मिशन शक्ति 5 के उद्देश्यों को साकार व सफल बनाएगी जल जीवन सखी

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन योजनान्तर्गत निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति समीक्षा बैठक कलेक्टेड्ट सभागार में सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि जहां भी पानी टंकी का निर्माण हो चुका है वहां पानी की आपूर्ति तत्काल सुनिश्चित कराए, एवं मैन पावर की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश एक्स ई एन जलनिगम मुजीब अहमद को दिया।

जिलाधिकारी ने जल जीवन मिशन योजना के व्यापक क्रियान्वयन के दृष्टिगत मिशन शक्ति 5 के उद्देश्यों के अंतर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत में बनायी गई जल समिति के महिला सदस्यों को "जल जीवन सखी" के रूप में प्रभावी कार्य करने का निर्देश दिया। इस पहल का उद्देश्य जल जीवन सखियों द्वारा ग्रामों में जाकर शुद्ध व नियमित पानी की उपलब्धता पर बल दिया जायेगा, साथ ही घर-घर जाकर जल संरक्षण की अलख भी जगायेगी। जल जीवन सखियों को प्रशिक्षित किया जायेगा, ताकि वे जल संरक्षण के विभिन्न तरीकों, तकनीको और इसके महत्व के बारे में ग्रामवासियों को जागरूक कर सकें। जल जीवन सखी की भूमिका जल संचयन व वर्षा जल संचयन के महत्व को बढ़ावा देने के साथ ही जल की बचत व उसके संरक्षण के लिए सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना है। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने कहा कि जल जीवन सखी के माध्यम से हम ग्राम पंचायतों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ा सकते है। उन्होंने सभी ग्राम पंचायतों से अनुरोध किया कि जल संरक्षण के प्रयासों में सहयोग करें। इससे जल जीवन सखी महिलाओं को रोजगार के अवसर के साथ ही सामाजिक सेवा का सुअवसर प्राप्त होगा। जल समिति व जल जीवन सखी समूह में ग्राम प्रधान, सचिव, लेखपाल, एडीओ को भी सम्मलित करने में डीएम ने बल दिया। उन्होंने कहा की जनप्रतिनिधियो एवं आमजन द्वारा सीसी रोड इंटरलॉकिंग की सड़को को ग्राम पंचायत में पाइपलाइन बिछाने के कारण अत्यधिक खराब हो रही है एवं मरम्मत सही ढंग से नहीं हो रहा है की शिकायतो को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता जल निगम को निर्देश दिया कि जहां भी पाइपलाइन का कार्य हो वहां की सड़कों की की मरम्मत सही ढंग मानक व गुणवत्ता अनुरूप समय से पूर्ण कराना सुनिश्चित करें अन्यथा की दशा में सख्त कार्रवाई की जाएगी

उन्होंने यह भी कहा कि जिन ग्राम पंचायतों के मरम्मत की रिपोर्ट प्रेषित किए गए है उसकी भी जांच करने के लिए मुख्य विकास अधिकारी को निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने सभी कार्यदायी संस्थाओं को सख्त निर्देशित किया कि सभी परियोजनाएं समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करना सभी सुनिश्चित करें। जनपद में जल्द ही सभी ग्राम पंचायतों में जल जीवन मिशन के तहत टंकी बनाने व पेयजल पाईप लाईन बिछाने का कार्य पूर्ण होगा, जिससे गॉव वालों को नियमित रूप से शुद्ध व स्वच्छ जल मिलेगा। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 शिवाकांत द्विवेदी, समस्त बीडीओ, चारों कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि व टीम आदि सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

केंद्रीय विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष/ डीएम ने बैठक कर, दिए आवश्यक दिशा निर्देश

छात्रों के समग्र विकास व उन्नयन पर दिया जाए बल- जिलाधिकारी

भदोही। केंद्रीय विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष/जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक संपन्न हुआ। बैठक में प्रबंध समिति के विभिन्न बिंदुओं पर समीक्षा की गई। केंद्रीय विद्यालय स्कूल के प्रिंसिपल प्रेम नारायण ने विद्यालय के विभिन्न आयामों पर अद्यतन जानकारी से अवगत कराया।

बैठक में बजट ऐस्टीमेट के अंतर्गत आय व व्यय का तुलनात्मक अवलोकन कर नियमानुसार कार्रवाई करने पर बल दिया गया। विभिन्न मदों में नियमों के अनुरूप खर्च हेतु अनुमोदित किया गया ताकि विद्यालय की गति विधियाँ सुचारु रूप से संचालित हो सकें । स्टाफ के वेतन एवं भत्ते की राशि केन्द्रीय विद्यालय संगठन से प्राप्त की जाएगी। परीक्षा विभाग हेतु एक फोटो कॉपी मशीन की आवश्यकता है, राशि उपलब्ध होने पर जेम पोर्टल द्वारा क्रय किया जाएगा।

कक्षा 1 से 5 तक की कक्षाएं बढ़ाई गई हैं अतः छात्रों के बैठने एवं अन्य विभागों हेतु लैब/अन्य फर्नीचर के लिए स्वीकृति प्रदान किया गया। विद्यालय भवन की सुरक्षा हेतु जेम पोर्टल के माध्यम से तीन गार्ड हेतु बिड आमंत्रित किया जाएगा। साफ़ सफाई हेतु तीन स्वच्छता कर्मी हेतु भी जेम पोर्टल के माध्यम से बिड आमंत्रित किया जाएगा। विद्यालय में बागवानी के कार्य हेतु दो माली हेतु जेम पोर्टल से बिड आमंत्रित की गई है।

वर्तमान सत्र 2025-26 में कक्षा 11 हेतु केन्द्रीय विद्यालय संगठन मुख्यालय से स्वीकृति प्राप्त हुयी है। अगले सत्र हेतु कक्षा 12 हेतु प्रस्ताव मुख्यालय को भेजा जाएगा। सीबीएसई नई दिल्ली को अनुमति हेतु पत्र लिखा जाएगा।

सामान्यतः समस्त कक्षाओं में प्रवेश की तिथि/अंतिम तिथि मुख्यालय द्वारा निर्धारित की जाती है, इस विद्यालय हेतु नई कक्षाएं माह सितंबर में मुख्यालय द्वारा स्वीकृत की गई हैं एवं नयी कक्षाओं में प्रवेश की अंतिम तिथि निर्धारित नहीं की गई है, कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों के प्रवेश हेतु दिनांक 13-09-2025 को ड्रा करके सूची तैयार की गई एवं प्रवेश हेतु दिनांक 25-09-2025 तक अभिभावकों को सूचित किया गया था, परंतु अभी लगभग आधी संख्या में प्रवेश हो पाएँ हैं, बाकी छात्रों को मौका देना एवं प्रवेश की तिथि की सीमा 15 अक्टूबर 2025 तय की गई है।

जिलाधिकारी ने प्रिंसिपल को निर्देशित किया की शिक्षण व शिक्षणेत्तर गतिविधियां नियमानुसार गुणवत्तापूर्ण ढंग से संचालित की जाए तथा छात्रों के समग्र विकास व उन्नयन पर बल दिया जाए। बैठक में सीडीओ बाल गोविंद शुक्ल, सीएमओ डॉक्टर संतोष चक , डीआईओएस अंशुमन व अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।

औराई सभागार में बाल विकास व पुष्टाहार एवं महिला कल्याण विभाग द्वारा आयोजित हुआ महिला जागरूकता कार्यक्रम

बालिका व महिला आधारित विभिन्न योजनाओं की दी गई जानकारी

महिलाओं ने तोड़ी अपनी चुप्पी, खुलकर किया संवाद

भदोही। मिशन शक्ति का पांचवा चरण जिलाधिकारी शैलेश कुमार के कुशल मार्गदर्शन व निर्देशन में जारी है। इसी क्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी व जिला कार्यक्रम अधिकारी के प्रवेक्षण में विकासखंड औराई सभागार में महिला जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज के समक्ष लिंगानुपात सुधार , जेंडर इक्विटी, स्कूल ड्रॉप आउट की समस्या , बाल विवाह की रोकथाम, लैंगिक शोषण की रोकथाम, साक्षरता दर में वृद्धि, महिलाओं व बच्चों के प्रति हिंसा रोकने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर स्वयं सहायता समूहों व महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं पर चर्चा की गई।

सीडीपीओ मंजू वर्मा ने मिशन शक्ति 5.0, स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार 'थीम पर विस्तृत प्रकाश

डालते हुए महिलाओं को सम्बोधित करते हुए यह संदेश दिया गया कि आज सरकार नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वाबलंबन, को बढ़ावा देने को अग्रसर है। वहीं सखी वन स्टॉप सेंटर द्वारा समस्त योजनाओं का स्टाल लगाकर मेला में आई हुई महिलाओं को महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं निराश्रित महिला पेंशन, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना बाल सेवा योजना स्पॉन्सरशिप, चाइल्ड हेल्पलाइन, शक्ति सदन दत्तक ग्रहण इकाई आदि की जानकारी दी गई। सखी वन स्टाप सेंटर द्वारा घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, यौन उत्पीडन आदि समस्या से पीड़ित महिला का समस्या निस्तारण किया जा रहा है जिससे वह दिन दूर नहीं जब स्वस्थ महिला, सशक्त महिला और भारत का अग्रदूत रुप में एक पहचान होगी।

परामर्शदाता द्वारा हेल्पलाइन नंबर 1098, 1090, 181, 1930, आदि योजनाओं की जानकारी देते हुए प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया।स्टाफ नर्स द्वारा महिला स्वास्थ्य पर जानकारी दी गई केस वर्कर ने बताया की मिशन शक्ति का यह प्रयास न केवल सामाजिक चेतना का संवर्धन करता है बल्कि एक सशक्त , सुरक्षित और प्रगतिशील समाज की दिशा में निर्णायक कदम भी सिद्ध होता है।

नैनो उर्वरक जागरूकता अभियान के अंतर्गत जनपद स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

भदोही। जनपद भदोही के कृषि भवन सभागार, घराव में कृषि विभाग के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ नैनो उर्वरको पर आधारित कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन उप कृषि निदेशक भदोही, अश्विनी कुमार सिंह की अध्यक्षता में किया गया।

कार्यक्रम में जिला कृषि अधिकारी इरम मिर्ज़ा, क्षेत्र प्रबंधक, इफको प्रयागराज अक्षय पाण्डेय भी उपस्थित थे।

क्षेत्र प्रबंधक इफको प्रयागराज द्वारा सभागार में उपस्थित जनपद के कृषि विभाग के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नैनो यूरिया प्लस, नैनो डीएपी, नैनो जिंक के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई एवं कृषि विभाग द्वारा किये जा रहे सभी कार्यक्रम में नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया प्लस के बारे में कृषकों को जागरूक किए जाने की बात कही जिससे कि कृषकों के लागत में भी कमी आए एवं फसलों का उत्पादन भी बढ़े ।

क्षेत्र अधिकारी इफको भदोही द्वारा सागरिका, लिक्विड कंसोर्टिया एवं जल विलय उर्वरक के प्रयोग विधि एवं लाभ की जानकारी दी गई । नैनो डीएपी की 500 स्त. बोतल जो कि 600 रुद में है इससे 100 किलोग्राम बीज को शोधित कर सकते है। नैनो डीएपी से बीज शोधित कर बुवाई करने से बीजों का जमाव अच्छा होता है साथ ही जड़ो का विकास अच्छा होता है ।

उप कृषि निदेशक द्वारा सभी को निर्देशित किया गया कि कृषकों को नैनो उर्वरकों की प्रयोग विधि एवं लाभ की जानकारी विभाग द्वारा किये जा रहे सभी कृषक गोष्ठी में दी जाए साथ ही आगामी रबी सीजन मे सभी कृषकों को नैनो डीएपी से बीज शोधन कर बुवाई करने के लिए जागरूक करे एवं दानेदार डीएपी की मात्रा आधी प्रयोग करे ।नैनो उर्वरकों के प्रयोग से कृषकों के लागत में भी कमी आएगी, उत्पादन भी बढ़ेगा एवं रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग से जल, मृदा एवं पर्यावरण प्रदूषित हो रही है उससे भी बचा जा सकता है। जिला कृषि अधिकारी द्वारा सभागार में उपस्थित सभी को निर्देशित किया गया कि नैनो यूरिया प्लस, नैनो डीएपी के प्रयोग विधि एवं लाभ की जानकारी सभी किसानो को किया जा रहे कृषक गोष्ठी के माध्यम से अवश्य की जाए। पारंपरिक दानेदार उर्वरकों के प्रयोग से मिट्टी की उर्वरा शक्ति भी कमजोर हो रही है । भारत सरकार द्वारा दानेदार उर्वरकों पर अनुदान के रूप में भारी भरकम धनराशि खर्च की जा रही है । प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद के कृषि विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी , इफको एसएफए हॉटस्पॉट विकास यादव सहित 70 से अधिक लोगो की उपस्थिति रही।

बुजुर्ग महिलाएं समाजीकरण की अमूल्य धरोहर : समाज कल्याण विभाग

मिशन शक्ति 5 के अंतर्गत वृद्धा आश्रम में योजनाओं से किया संतृप्त

भदोही। वृद्धजन आश्रम गोपीगंज में सरकार द्वारा संचालित मिशन नारी शक्तिकरण के तहत आश्रम के वृद्ध महिलाओं को सरकारी योजनाओं को प्रदान किया गया। सुविधा इत्यादि के विषय में काशी प्रांत भदोही के मंडल अध्यक्ष अश्वनी अग्रवाल के द्वारा सरकार की योजनाएं और वृद्ध महिलाओं की सुविधा, जानकारी देकर उनको सशक्तिकरण बनाया गया, ।इस उपलक्ष में आश्रम के प्रबंधक प्रदोष कुमार, राजन पंडित, गौरव श्रीवास्तव, दीनानाथ बिनद सुरेश कुमार सिंह संजू गुप्ता जी इत्यादि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन आश्रम के वृद् हीरामणि ने किया।

फ्लिपकार्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मजबूत की साझेदारी

वाराणसी। भारत के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) 2025 में हिस्सा लेते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के एमएसएमई विभाग और राज्य की महत्वाकांक्षी 'एक जिला एक उत्पाद' (ओडीओपी) पहल के साथ अपनी साझेदारी को मजबूत किया है। 25 से 29 सितंबर, 2025 तक चलने वाले इस पांच दिवसीय आयोजन का उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने किया। इस आयोजन से स्थानीय उद्यमियों, कारीगरों, निर्यातकों, खरीदारों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को राज्य के उत्पादों की समृद्ध एवं व्यापक रेंज को प्रदर्शित एवं प्रमोट करने का मौका मिल रहा है।

फ्लिपकार्ट ग्रुप के चीफ कॉरपोरेट अफेयर्स ऑफिसर रजनीश कुमार ने कहा, 'पूरे भारत में एमएसएमई, कारीगरों और उद्यमियों को सशक्त करने का फ्लिपकार्ट का लक्ष्य समावेशी विकास एवं डिजिटल सशक्तीकरण के भारत सरकार के एजेंडा के अनुरूप ही है। छोटे कारोबारियों को टेक्नोलॉजी एवं ई-कॉमर्स के माध्यम से राष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच प्रदान करते हुए हम विकसित भारत के सफर में लगातार योगदान कर रहे हैं। यूपीआईटीएस 2025 में हमारी सहभागिता डिजिटल टूल्स, क्षमता निर्माण एवं राष्ट्रीय बाजार तब पहुंच के माध्यम से एमएसएमई, कारीगरों एवं ओडीओपी उद्यमियों को सशक्त करने की दिशा में उत्तर प्रदेश सरकार के साथ हमारे गठजोड़ को दर्शाती है।'

इस सहभागिता पर टिप्पणी करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार में एमएसएमई एवं निर्यात संवर्धन और इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं औद्योगिक विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आलोक कुमार ने कहा, 'यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो हमारे राज्य की उद्यमिता एवं सांस्कृतिक शक्ति को प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण प्लेटफॉर्म है। ओडीओपी जैसी पहल और फ्लिपकार्ट के साथ गठजोड़ के माध्यम से हमारा लक्ष्य स्थानीय कारीगरों एवं एमएसएमई को व्यापक बाजारों तक पहुंचने और सतत विकास के अवसर सृजित करने में सहयोग देना है। ओडीओपी एवं जीआई टैग वाले सेलर्स को ऑनबोर्ड करने के फ्लिपकार्ट के प्रयासों से समावेशी आर्थिक विकास को गति देने के राज्य के लक्ष्य में मदद मिलेगी। साथ ही इससे हमारी समृद्ध सांस्कृतिक एवं शिल्प की विरासत को संरक्षित रखना भी संभव होगा।'

बारात चढ़त के दौरान दूल्हे की पिटाई, दंबगों ने बग्गी ने खींचकर जमकर पीटा, सिर फूटा और कपड़े भी फटे

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के अमरोहा में पुरानी रंजिश के चलते गांव के लड़के ने ही अपने साथियों को लेकर बारात चढ़त के दौरान बुग्गी पर बैठे दूल्हे की जमकर का पिटाई कर दी। पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। घायल दूल्हे का इलाज कराकर सुबह फेरे कराकर बारात दुल्हन लेकर वापस लेकर गया पुलिस को दूल्हे के परिजनों की तहरीर पर नामदर्ज समेत अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

पूरा मामला अमरोहा के थाना सैदनगली क्षेत्र में गुरुवार की रात को तरारा गांव निवासी आकाश की बारात में एक दर्जन से अधिक युवकों ने हमला कर दिया। हमलावर साइकिल की चेन, लोहे के कड़े और चाकू लेकर आए थे। उन्होंने दूल्हे को बग्गी से खींचकर उस पर हमला किया। इस दौरान दूल्हे का सिर फट गया और उसके कपड़े भी फट गए। बारातियों के मौके पर पहुंचने से पहले ही हमलावर दूल्हे को जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। दूल्हे के पिता वीर सिंह ने बताया कि एक दिन पहले गांव का एक युवक बारात में हंगामा करने की धमकी देकर गया था। उन्होंने इस घटना को पूर्व नियोजित साजिश बताया है। घायल दूल्हे को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।

दूल्हे के भाई पवन कुमार ने बताया कि हमारे गांव के ही एक लड़के का मेरे भाई से किसी बात को लेकर अनबन हो गई थी। इसके बाद दोनों को समझा-बुझाकर शांत कर घर भेज दिया था। विवाद किस बात को लेकर हुआ था यह नहीं पता। इसके बाद वह भाई को चैलेंज देकर गया था कि मैं तेरी बारात चढ़ने नहीं दूंगा। वहीं, दूल्हे आकाश का कहना है कि बारात चल रही थी वह बग्घी पर बैठा था। अचानक 15 से 16 लड़कों ने बग्गी पर चढ़कर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। वह पहचान में नहीं आए। वही मारपीट करने का वीडियो भी सामने आया है। वही सुबह 4:00 बजे पुलिस की मौजूदगी में दूल्हे दुल्हन के फेरे कराए गए। इसके बाद बारात को विदा किया गया।

वीर सिंह ने बताया कि पुलिस की मौजूदगी में बेटे के उपचार के बाद करीब 4:00 बजे फेरों की रस्म अदा कर दुल्हन को घर लाया गया है दूल्हे आकाश की तहरीर पर आरोपी जसवंत पुत्र अमर सिंह, पवन पुत्र अमर सिंह, जसवीर पुत्र अमर सिंह निवासी तरारा तथा तीन से चार अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

आई लव मोहम्मद : प्रदर्शनकारियों पर पथराव का आरोप

भीड़ को तितर बितर करने के लिए पुलिस ने भांजी लाठियां, हिरासत में कई आरोपी

बरेली **(एजेंसी)**। जिले में शुक्रवार दोपहर की नमाज के बाद मौलाना तौकीर रजा खान नेतृत्व में इस्लामिया ग्राउंड पर जुटी भीड़ ने 'आई लव मोहम्मद' के नारे लगाते हुए जोरदार प्रदर्शन किया। देखते ही देखते हालात बेकाबू होने लगे। प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हुई तनातनी ने पूरे शहर को दहशत में डाल दिया। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया। जिससे भीड़ तितर बितर हुई। इस दौरान पुलिस ने कई प्रदर्शन कारियो को हिरासत में ले लिया है।

आप को बता दें कि मौलाना तौकीर रजा खान ने ज्ञापन सौंपने का ऐलान किया था, जिसके बाद बड़ी संख्या में लोग शुक्रवार दोपहर से स्थानीय इस्लामिया कॉलेज ग्राउंड पर इकट्ठा हुए। शुरुआत में प्रदर्शन शांतिपूर्ण दिखा, लेकिन अचानक माहौल गरमा गया। नारेबाजी और धक्का-मुक्की बीच पुलिस ने जब भीड़ को काबू में करने की कोशिश की तो हालात और बिगड़ गए। हालात नियंत्रण से बाहर होते देख पुलिस ने लाठीचार्ज किया। लाठियां बरसते ही भगदड़ मच गई और लोग इधर-उधर भागने लगे।

इससे शहर में माहौल तनावपूर्ण हो गया है। हालात बिगड़ने की खबर लगते ही प्रशासन सतकर् हो गया और पूरे इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया। जगह-जगह पुलिस की तैनाती के साथ ही अधिकारियों ने हालात पर नजर रखनी शुरू कर दी है। लोगों का कहना है कि प्रदर्शन में भीड़ अचानक आक्रोशित हो उठी।

उन्होंने घटना की जानकारी देते हुए बताया मौके पर हालात सामान्य है। आई लव मोहम्मद के नाम पर किसी को कानून को हाथ लेने नहीं दिया जाएगा। जो भी कानून को हाथ में लेने का प्रयास करेगा उसके खिलाफ विधिक कार्यवाई। इस बीच एसएसपी बरेली अनुराग आर्य ने कहा है स्थिति नियंत्रण में है। बिना किसी अनुमति आयोजन किया जा रहा था। जिले में धारा 163 लागू है, इसलिए बिना अनुमति के कोई भी प्रदर्शन नहीं किया जा सकता। उसके बावजूद भी लोगों ने प्रदर्शन किया। ऐसे लोगों को चिन्हित कर कार्रवाई की जाएगी।

बेटे के नामकरण की दावत में न बुलाने पर पिता की हत्या

प्रधान ने खेला खूनी खेल, सीधे दाग दी गोली

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के शाहजहांपुर जिले के तिलहर थाना क्षेत्र के एक गांव में जन्मोत्सव में कथित तौर पर आमंत्रित न किए जाने से क्षुब्ध ग्राम प्रधान ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें बच्चे के पिता की मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजेश द्विवेदी ने शुक्रवार को मीडिया को बताया की थाना तिलहर के मोहनपुर गांव में अवनीश कुमार (23) के यहां पुत्र का जन्म हुआ था, इसके उपलक्ष्य में बृहस्पतिवार रात में उनके यहां भोज था।

इस कार्यक्रम में अवनीश ने गांव के प्रधान सुखदेव (48) को आमंत्रित नहीं किया था, जिससे नाराज प्रधान ने बृहस्पतिवार देर रात कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर गोलीबारी की। उन्होंने बताया कि हादसे में अवनीश को गोली लग गई, उसे अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एसपी ने बताया कि परिजनों ने आरोपी ग्राम प्रधान को मौके पर पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई की। प्रधान को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी भी हालत गंभीर बनी हुई है।

द्विवेदी ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ग्राम प्रधान सुखदेव को हिरासत में ले लिया वहीं शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसपी ने कहा कि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है एवं हत्या में प्रयुक्त असलहे की भी तलाश की जा रही है।

'आई लव मोहम्मद' विवाद पर बवाल मौलाना तौकीर रजा नजरबंद, सैकड़ों लोगों ने की तोड़फोड़, पथराव और पुलिस का लाठीचार्ज

बरेली **(एजेंसी)**। 'आई लव मोहम्मद' विवाद अब दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। बरेली में जुमे पर इसी को लेकर 3 जगहों पर बवाल हो गया। सैकड़ों की संख्या में लोग पोस्टर लेकर सड़क पर उतरे और हंगामा करने लगे। इसी दौरान भीड़ ने पथराव कर दिया और तोड़फोड़ करने लगे। पुलिस ने हालात पर काबू पाने के लिए लाठीचार्ज किया। लोगों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। इससे भगदड़ मच गई। वहीं, मौलाना तौकीर रजा को नजरबंद कर दिया गया।

दरअसल, मौलाना तौकीर रजा ने मुस्लिमों से शहर के इस्लामिया ग्राउंड में प्रदर्शन करने की अपील की थी। शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद मौलाना तौकीर रजा समर्थक कलेक्ट्रेट में जुटे हुए थे। सभी अधिकारियों को ज्ञापन देने पहुंचे थे, तभी भीड़ से किसी ने पुलिस पर पथराव कर दिया, जिससे अफरा-तफरी मच गई।

पुलिस ने मौलाना तौकीर रजा को हिरासत में ले लिया है। पुलिस के मुताबिक, भीड़ को रोका गया। इस पर भीड़ ने तोड़फोड़ शुरू कर दी। धार्मिक नारे लगाए और उग्र हो गए। पथराव शुरू कर दिया। छतों से भी पत्थर फेंके। पुलिस ने हालात पर काबू पाने के लिए लाठीचार्ज किया। बारादरी और प्रेमनगर क्षेत्र में भी बवाल हुआ है। पुलिस ने शहर में बाजार बंद कराए हैं।

आई लव मोहम्मद' पोस्टरों को लेकर लखनऊ में महिलाओं का प्रदर्शन

चप्पे- चप्पे पर सुरक्षा बल तैनात, अप्रिय घटना नहीं घटी

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के कानपुर से शुरू हुए ''आई लव मोहम्मद''की आग पूरे देश में फैल गई है। इसे लेकर आज राजधानी लखनऊ में मुस्लिम महिलाओं ने प्रदर्शन किया। इस दौरान सैकड़ों महिलाओं ने 'आई लव मोहम्मद' के नारे भी लगाए। मौके पर सुरक्षा तैनात रहे इस दौरान किसी प्रकार की कोई भी अप्रिय घटना नहीं घटी।

आप को बता दें कि बरेली में मौलाना तौकीर रजा के आह्वान पर जुमे की नमाज के बाद लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। सैकड़ों की संख्या में लोग पोस्टर लेकर सड़क पर उतरे और हंगामा करने लगे। इसी दौरान भीड़ ने पथराव कर दिया और तोड़फोड़ करने लगे। पुलिस ने हालात पर काबू पाने के लिए लाठीचार्ज किया। लोगों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। इससे भगदड़ मच गई। वहीं, मौलाना तौकीर रजा को नजरबंद कर दिया गया।

हालांकि इसे लेकर जिलाधिकारी सिंह ने संवाददाताओं से कहा, 'जिले में धारा 163 लागू है, इसलिए बिना अनुमति के कोई भी प्रदर्शन नहीं किया जा सकता।' लगभग पांच किलोमीटर का यह मार्च बिहारीपुर पुलिस चौकी, कुतुबखाना, दरगाह आला हज़रत, मलूकपुर और सिटी सब्ज़ी मंडी सहित कई इलाकों से होकर गुजरा। अधिकारियों ने निवासियों से शांति बनाए रखने और कानून का पालन करने की अपील की थी। उसके बावजूद भी लोगों ने प्रदर्शन किया।

न्यायालय ने सलमान रुश्दी की किताब पर प्रतिबंध लगाने के लिए दायर याचिका खारिज की

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को सलमान रुश्दी के विवादास्पद उपन्यास 'द सैटेनिक वर्सेज' पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध करने वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। यह याचिका न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आई।

याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील ने दिल्ली उच्च न्यायालय के पिछले साल नवंबर के आदेश का हवाला दिया। उच्च न्यायालय ने 1988 में तत्कालीन राजीव गांधी सरकार द्वारा 'द सैटेनिक वर्सेज' के आयात पर प्रतिबंध लगाने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई बंद कर दी थी और कहा था कि चूंकि अधिकारी संबंधित अधिसूचना पेश करने में विफल रहे हैं, इसलिए यह मान लेना चाहिए कि वह (अधिसूचना) है ही नहीं।

केंद्र ने 1988 में, कानून-व्यवस्था बरकरार रखने के लिए बुकर पुरस्कार विजेता लेखक की पुस्तक 'द सैटेनिक वर्सेज' के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया था। दुनिया भर के मुसलमानों ने इसे (पुस्तक को) ईशनिंदा करने वाला माना था।

पीठ ने मुंबई के तीन निवासियों द्वारा दायर याचिका खारिज करते हुए कहा, ''आप दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दे रहे हैं।'' यह याचिका अधिवक्ता चांद कुरैशी के माध्यम से उच्चतम न्यायालय में दायर की गई थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि पुस्तक उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश के कारण उपलब्ध है।

याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ताओं को इस वर्ष 14 जून को पता चला कि मुंबई में विक्रेता ''विवादास्पद और ईशनिंदा करने वाली किताब'' बेच रहे हैं और यह एक प्रमुख ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध है।

याचिका में कहा गया, ''प्रतिबंध का कानूनी आधार भारतीय सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 11 है, जिसके कारण प्रतिबंध लगाया गया था। हालांकि, दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा प्रतिबंध हटाए जाने के बाद... 36 वर्षों में पहली बार भारत में ईशनिंदा वाली यह किताब बेची जा रही है।''

याचिका में दावा किया गया कि इस उपन्यास से लोक व्यवस्था भंग होने की प्रबल आशंका है क्योंकि पिछले कई दशकों में न केवल लेखक, बल्कि पुस्तक विक्रेताओं और पुस्तक का प्रसार करने वालों पर भी हमले हुए हैं तथा ईरान और ब्रिटेन के बीच अंतरराष्ट्रीय संबंध खराब हुए हैं। याचिका में कहा गया कि कई अन्य देशों ने भी इस उपन्यास की बाजार में बिक्री पर सख्त प्रतिबंध लगा रखे हैं।

आई लव मुहम्मद विवाद पर भड़के ओवैसी, पूछा- पीएम का पोस्टर तो हमारा क्यों नहीं?

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के कानपुर में 'आई लव मुहम्मद' लिखे पोस्टरों को लेकर उठे विवाद पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सवाल किया कि आस्था की ऐसी अभिव्यक्ति को भड़काऊ क्यों माना जाना चाहिए। असदुद्दीन ओवैसी ने बिहार के पूर्णिया में पत्रकारों से कहा कि अगर कोई 'आई लव महादेव' ग्रुप है, तो इसमें दिक्कत क्या है? इसमें देश-विरोधी क्या है? यह किस तरह की हिंसा को बढ़ावा देता है? अगर शब्द 'लव' है, तो किसी को दिक्कत क्यों हो रही है? मुझे लगता है कि हमें इन लोगों के लिए मुगल-ए-आज़म का 'मोहब्बत ज़िंदाबाद' गाना बजाना चाहिए। अगर 'हैप्पी बर्थडे पीएम मोदी' का पोस्टर हो सकता है, तो 'आई लव पैगम्बर मुहम्मद' का पोस्टर क्यों नहीं हो सकता?

असदुद्दीन ओवैसी ने सवाल किया कि प्यार में देशद्रोह क्या है? क्या हम प्यार के ज़रिए हिंसा को बढ़ावा दे रहे हैं? समस्या क्या है? इसका मतलब है कि आप प्यार के खिलाफ़ हैं... एक मुसलमान तब तक सच्चा मुसलमान नहीं है जब तक वो मोहम्मद को अल्लाह का आखिरी रसूल मानता है... एशिया की सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी भारत में रहती है। अपनी इस प्रतिक्रिया से आप कैसा संदेश दे रहे हैं? हैप्पी बर्थडे प्राइम मिनिस्टर और हैप्पी बर्थडे चीफ मिनिस्टर के पोस्टर लगाने की इजाज़त है, लेकिन ये नहीं? वो नहीं चाहते कि कोई प्यार की बात करे... क्या होगा? हम कहाँ जाएँगे?

ओवैसी ने संविधान के अनुच्छेद 25 का भी हवाला देते हुए कहा कि धार्मिक स्वतंत्रता एक मौलिक अधिकार है। उन्होंने कहा, 'इसमें राष्ट्र-विरोधी क्या है? इसका कौन सा हिस्सा हिंसा को बढ़ावा देता है? ... एक मुसलमान का ईमान तब तक पूरा नहीं होता जब तक वह दुनिया की हर चीज़ से ज़्यादा पैगम्बर मुहम्मद से प्यार न करे। इस पर आपत्ति जताकर आप दुनिया को क्या संदेश दे रहे हैं?' एआईएमआईएम नेता ने उत्तर प्रदेश सरकार की भी आलोचना की और चुनिंदा पाबंदियों का आरोप लगाया। उन्होंने आगे कहा कि उत्तर प्रदेश में एडीजीपी कह रहे हैं कि नए पोस्टर लगाने की इजाज़त नहीं दी जाएगी। लेकिन 'हैप्पी बर्थडे प्राइम मिनिस्टर' या 'हैप्पी बर्थडे चीफ मिनिस्टर' लिखने की इजाज़त होगी। फिर ऐसा कानून बनाइए कि इस देश में कोई भी प्यार की बात न कर सके।

यह विवाद 9 सितंबर को शुरू हुआ जब कानपुर पुलिस ने 4 सितंबर को बारावफ़ात के जुलूस के दौरान सड़क पर कथित तौर पर 'आई लव मोहम्मद' के बोर्ड लगाने के आरोप में नौ लोगों और 15 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। हिंदू समूहों ने इस पर आपत्ति जताते हुए इसे 'नया चलन' और जानबूझकर उकसाने वाला कदम बताया। ओवैसी द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्टरों का बचाव करने और इस बात पर ज़ोर देने के बाद कि 'आई लव मोहम्मद कहना कोई अपराध नहीं है' मामले ने व्यापक ध्यान आकर्षित किया।

नशे में गाड़ी चलाना सार्वजनिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा : पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने नशे में गाड़ी चलाने को एक गंभीर खतरा करार देते हुए कहा है कि ऐसे मामलों में किसी भी तरह की नरमी गलत संकेत देगी और दूसरों को भी इसी तरह के खतरनाक आचरण में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करेगी। न्यायमूर्ति सुमित गोयल की अदालत ने संगरूर-पटियाला मार्ग पर खड़ी एक कार को टक्कर मारने वाले एक ट्रक चालक की जमानत याचिका खारिज करते हुए ये टिप्पणियां कीं। इस हादसे में 24 वर्षीय एमबीबीएस छात्र की मौत हो गई थी।

ट्रक चालक जगतार सिंह के खिलाफ नवंबर 2023 में पटियाला के पस्याना पुलिस थाने में भारतीय दंड संहिता और मोटर वाहन अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। अदालत ने 25 सितंबर के आदेश में कहा, ''शराब पीकर गाड़ी चलाने के अपराध को अपराधी की ओर से केवल एक शरारत या चूक के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह सार्वजनिक सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा है और सामाजिक व्यवस्था की जड़ों पर प्रहार करता है।''

उसने कहा, ''जो व्यक्ति शराब के नशे में गाड़ी चलाने का विकल्प चुनता है, वह न केवल अपनी जान जोखिम में डालता है, बल्कि सड़क पर चलने वाले निर्दोष नागरिकों की जान को भी खतरे में डालता है... सार्वजनिक सुरक्षा और व्यवस्था के मूल ढांचे को कमजोर करता है। इसलिए, कानून ऐसे अपराधों के लिए सख्त कार्रवाई का आदेश देता है क्योंकि ऐसे मामलों में दी गई कोई भी ढील गलत संकेत देगी और दूसरों को भी इसी तरह के खतरनाक आचरण में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करेगी।'' अदालत ने कहा कि ऐसे में याचिकाकर्ता नियमित जमानत की रियायत का हकदार नहीं है।

एक फरारी कार की कीमत में तैयार हो गया था मिग-21, 67 साल की सेवा के बाद क्यों हुआ सेना से बाहर?

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पहला सुपरसोनिक फाइटर जेट आज इतिहास का हिस्सा बन गया। छह दशकों की सेवा, साहस की अनगिनत कहानियां, ऐसा योद्धा के गौरव को जिसने नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। फाइटर जेट मिग-21 को आज चंडीगढ़ एयर बेस से अंतिम विदाई दी गई। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह अंतिम उड़ान में सवार हुए। मिलिट्री एविएशन के इतिहास में मिग-21 को हमेशा याद रखा जाएगा। क्योंकि इसके जैसा कोई दूसरा फाइटर जेट नहीं बना। दुनिया भर में करीब 11500 मिग-21 इस्तेमाल हुए और सबसे ज्यादा मिग-21 इंडियन एयरफोर्स ने इस्तेमाल किए। इंडियन एयरफोर्स में कुल 374 मिग-21 शामिल हुए और इन मिग-21 ने कुल 16 लाख घंटे से भी ज्यादा की उड़ान भरी। इन पहले सुपरसोनिक फाइटर जेट को विदाई देने के लिए वही जगह चुनी गई है जहां सबसे पहले यह आए थे यानी चंडीगढ़।

मिग-21 फाइटर प्लेन सोवियत युग का लड़ाकू विमान है। यही वजह रही कि इसे बनाने में काफी कम लागत आई है। तब एक फाइटर प्लेन पुराने एयरफ्रेम के साथ महज 3.32 करोड़ रुपये में तैयार हो गया था। अगर एक फरारी कार की कीमत देखें तो 3.76 करोड़ रुपये से 7.50 करोड़ रुपये के बीच होती है। जाहिर है कि रूस ने लड़ाकू विमान को एक फरारी कीमत से भी कम में तैयार कर दिया था।

राजद में कलह से सियासी भूचाल?

रोहिणी की नाराजगी को लेकर तेजस्वी ने तोड़ी चुप्पी, भाजपा पर गरजे

पटना **(एजेंसी)**। लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य और रणनीतिकार संजय यादव के बीच बढ़ती दरार के बीच, राजद नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने शुक्रवार को अपनी बहन का बचाव करते हुए अपना पहला सार्वजनिक बयान जारी किया और व्यक्तिगत मामलों को राजनीति में घसीटने के लिए भाजपा पर हमला किया। तेजस्वी प्रसाद यादव ने कहा कि ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है, लेकिन हम इसे राजनीतिक मुद्दा नहीं बनाते। हमारा ध्यान सिर्फ़ बिहार के विकास पर है... रोहिणी दीदी मेरी बड़ी बहन हैं। उन्होंने मुझे पाला है। उनका त्याग आज के ज़माने में कम ही देखने को मिलता है। उन्होंने मेरे पिता को अपनी किडनी दान कर दी थी।

तेजस्वी ने कहा कि छपरा की जनता चाहती थी कि उन्हें छपरा से टिकट मिले, और लालू जी ने लोगों की माँग और पार्टी कार्यकर्ताओं के सुझाव सुने और उन्हें टिकट दे दिया। रोहिणी पार्टी को मज़बूत कर रही हैं और हमारा आत्मविश्वास बढ़ा रही हैं। तेजस्वी ने उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर भी निशाना साधा और उनके पिछले बयान को याद दिलाया कि 'लालू यादव टिकट दे रहे हैं और किडनी ले रहे हैं, ' जिसे उन्होंने पिता-पुत्री के रिश्ते का अपमान बताया। उन्होंने पूछा, 'क्या ये लोग माँ-बहनों की इज्जत करते हैं?'

इस बीच, भाजपा ने सोशल मीडिया पर अपना हमला तेज कर दिया और दो तस्वीरों के साथ पोस्ट किया, 'रणनीतिकार संजय यादव की नई रणनीति - लालू प्रसाद की बेटी को बदनाम करना।' जैसे-जैसे राज्य विधानसभा चुनाव के करीब आ रहा है, तेजस्वी के सामने बिहार में सरकार बनाने के लिए समर्थन जुटाने और अपने ही परिवार के भीतर तनाव को संभालने की दोहरी चुनौती है। विश्लेषकों का मानना है कि प्रचारित मतभेद राजद नेतृत्व के भीतर एकजुटता को लेकर मतदाताओं की चिंताएँ बढ़ा सकते हैं।

मोहम्मद कैफ ने जसप्रीत बुमराह की आलोचना का दिया जवाब

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने मौजूदा एशिया कप में पावरप्ले के दौरान गेंदबाजी के दौरान जसप्रीत बुमराह की क्रिकेट संबंधी टिप्पणी की आलोचना का जवाब दिया। कैफ ने स्पष्ट किया कि उनकी टिप्पणी केवल एक शुभचिंतक और प्रशंसक की क्रिकेट संबंधी टिप्पणी थी और उन्होंने बुमराह के भारत के सबसे बड़े मैच विजेता होने के महत्व पर जोर दिया।

कैफ ने बुमराह की आलोचना का शांतिपूर्वक जवाब दिया और अपनी टिप्पणी को 'एक शुभचिंतक और प्रशंसक की क्रिकेट संबंधी टिप्पणी' बताया। कैफ ने एक पोस्ट में लिखा, 'कृपया इसे एक शुभचिंतक और प्रशंसक की क्रिकेट संबंधी टिप्पणी के रूप में लें। आप भारतीय क्रिकेट के सबसे बड़े मैच विजेता हैं और मुझे पता है कि भारत के रंग में मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए क्या करना पड़ता है।'

यह कैफ द्वारा एक्स पर लिखे गए उस लेख के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि रोहित शर्मा की कप्तानी में बुमराह पावरप्ले के दौरान एक ओवर, बीच के ओवरों में एक और डेथ ओवरों में दो ओवर फेंकते थे। उन्होंने यह भी बताया कि बुमराह चोट से बचने के लिए

तब गेंदबाजी करना पसंद करते हैं जब उनका शरीर गर्म हो चुका हो और कैसे पावरप्ले के बाद बुमराह का एक ओवर बड़ी टीमों के खिलाफ 'भारत को नुकसान' पहुंचा सकता है। उन्होंने कहा था, 'रोहित की कप्तानी में बुमराह आमतौर पर 1, 13, 17, 19 ओवर फेंकते थे। सूर्या की कप्तानी में एशिया कप में उन्होंने शुरुआत में तीन ओवर फेंके। चोट से बचने के लिए बुमराह इन दिनों तब गेंदबाजी करना पसंद करते हैं जब उनका शरीर गर्म हो चुका हो। बचे हुए 14 ओवरों में बुमराह का एक ओवर बल्लेबाजों के लिए बड़ी राहत है। विश्व कप में मजबूत टीमों के खिलाफ इससे भारत को नुकसान हो सकता है।'

इस पर बुमराह ने जवाब दिया, 'गलत, पहले गलत, फिर से गलत।' रोहित की कप्तानी में बुमराह पावरप्ले में ज़्यादा से ज़्यादा दो ओवर ही फेंक पाते थे और बीच के ओवरों में भी उन्हें विकेट लेने के विकल्प के तौर पर इस्तेमाल किया जाता था। डेथ ओवरों में उन्हें ज्यादातर दो ओवर ही मिलते थे। हालांकि इस टूर्नामेंट में सूर्यकुमार यादव ने उन्हें पावरप्ले में तीन ओवर फेंकने का मौका दिया है, जिससे डेथ ओवरों में उनके पास सिर्फ एक ओवर ही बचता है।

शोएब अख्तर ने एशिया कप फाइनल से पहले पाकिस्तान टीम को दिया जीत का फॉर्मूला

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। एशिया कप 2025 का महामुकाबला तय हो चुका है। भारत और पाकिस्तान तीसरी बार आमने-सामने होंगे, लेकिन इस बार दांव कहीं ज्यादा बड़ा है ट्रॉफी का। भारत दोनों पिछली भिड़ंत में बाज़ी मार चुका है, जबकि पाकिस्तान ने बांग्लादेश को हराकर शानदार अंदाज़ में फाइनल का टिकट कटाया। ऐसे माहौल में पाकिस्तान के दिग्गज तेज़ गेंदबाज शोएब अख्तर ने अपनी टीम को खास सलाह दी है।

रावलपिंडी एक्सप्रेस शोएब अख्तर ने 'गेम ऑन है' शो में कहा कि पाकिस्तान को मानसिकता बदलनी होगी। अख्तर का मानना है कि भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा पाकिस्तानी टीम पर असर डालता है और इसे तोड़ना ही सबसे बड़ी चुनौती होगी। उन्होंने कहा, 'इस मानसिकता से बाहर निकलो, उनके आभामंडल को किनारे रखो। बस उनके आभामंडल को तोड़ दो। वही रवैया अपनाओ जो बांग्लादेश के खिलाफ दिखाया था। तुम्हें 20 ओवर बस निकालने नहीं हैं, तुम्हें विकेट लेने हैं।'

रणनीति के तौर पर अख्तर ने साफ कहा कि पाकिस्तान को भारत के युवा ओपनर अभिषेक शर्मा पर फोकस करना होगा। अख्तर के मुताबिक अभिषेक को जल्दी आउट कर दिया गया तो भारत दबाव में आ जाएगा और पाकिस्तानी गेंदबाजों के लिए मौके खुलेंगे। उन्होंने कहा, 'मेरी बात याद रखना, अगर अभिषेक शर्मा पहले दो ओवरों में आउट हो गए तो भारत मुश्किल में पड़ जाएगा। उन्हें शुरुआती बढ़त वही देता है। हां, वह गलत टाइमिंग करेंगे, बस आपको पूरा दम लगाना होगा।'

गंभीर के अनुभव साझा करते हुए अख्तर ने कहा, 'मैं गौतम गंभीर को जानता हूं। वह अपनी टीम से हमेशा कहते हैं, पाकिस्तान के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ दो। पाकिस्तान चाहे लीग स्टेज में ढीला खेले, लेकिन जैसे ही फाइनल आता है, वो सबसे अच्छा क्रिकेट खेलता है। हमारे साथ पहले भी ऐसा कई बार हुआ है।'

भारत फाइनल में बड़े दावेदार के तौर पर उतर रहा है, लेकिन पाकिस्तान की जीत के लिए शाहीन अफरीदी की गेंदबाजी और बल्लेबाज़ी के साथ टीम की आत्मविश्वास भरी मानसिकता अहम होगी। शोएब अख्तर के संदेश ने साफ कर दिया है कि यह मैच सिर्फ कौशल नहीं, बल्कि दिमाग और हिम्मत का भी इम्तिहान होगा।

एशिया कप फाइल : सूर्यकुमार पर बड़ा एक्शन आईसीसी ने फाइनल से पहले की कार्रवाई

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव को पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप 2025 के सुपर-4 मुकाबले के लिए आचार संहिता उल्लंघन का दोषी पाया गया है। दरअसल 14 सितम्बर को खेले मैच के बाद एक बयान में उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया सैन्य झड़प का हवाला दिया था।

आईसीसी की आचार संहिता के मुताबिक क्रिकेट से इतर राजनीतिक या संवेदनशील मुद्दों को जोड़कर टिप्पणी करना नियमों के खिलाफ माना जाता है। पाकिस्तान ने सूर्यकुमार के खिलाफ आईसीसी में राजनीतिक टिप्पणी करने का मामला दर्ज कराया था। सूर्यकुमार ने 14 सितंबर को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान पर अपनी टीम की जीत को पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों और भारतीय सशस्त्र बलों को समर्पित किया था। पहलगाम पीड़ितों के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए टॉस के समय और मैच के बाद भारत द्वारा पाकिस्तानी खिलाड़ियों से पारंपरिक हाथ मिलाने से इनकार करने के बाद

से दोनों पक्षों के बीच तनाव चरम पर है।

मैच रेफरी ने जांच के बाद सूर्यकुमार यादव पर उनकी मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया। हालांकि यह एक लेवल-1 अपराध माना गया है, इसलिए किसी तरह का बैन या निलंबन नहीं लगाया गया। भारतीय कप्तान की सुनवाई आईसीसी मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने की। सूर्यकुमार ने आरोप हालांकि से इनकार किया और उन्हें टूर्नामेंट के बाकी मैचों में ऐसा कोई बयान नहीं देने को कहा गया जिसे राजनीतिक माना जा सके। आईसीसी की आचार संहिता खिलाड़ियों को मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह ऐसी टिप्पणियों से बचने की सलाह देती है, जो किसी राष्ट्र, धर्म या राजनीतिक विवाद को छूती हों। सूर्यकुमार यादव ने फैसले को स्वीकार कर लिया है इसलिए अब किसी औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं होगी।

चाइना ओपन में कोको गॉफ की विजयी शुरुआत रूस की राखिमोवा को सीधे सेटों में हराया

बीजिंग **(एजेंसी)**। अमेरिका की दिग्गज टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने शुक्रवार को रूस की कामिला राखिमोवा को सीधे सेटों में हराकर चाइना ओपन में अपने खिताब के बचाव के अभियान की शुरुआत की। आज यहां खेले गये मुकाबले में गॉफ ने राखिमोवा को 6-4, 6-0 से हराया। 21 वर्षीय अमेरिकी टेनिस स्टार के लिए पहले सेट में युवा खिलाड़ी के खिलाफ शुरुआत थोड़ी मुश्किल रही, क्योंकि उन्हें चार ब्रेक पॉइंट का सामना करना पड़ा।

दूसरे सेट की शुरुआत में कुछ और ब्रेक पॉइंट बचाने के बाद, उन्होंने पहले दौर का मुकाबला मात्र 44 मिनट में जीत लिया। मैच के बाद गॉफ ने कहा, 'मुझे उम्मीद थी कि मुकाबला कांटे का होगा। वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं और पिछले कुछ टूर्नामेंटों में उन्होंने शीर्ष खिलाड़ियों के साथ कड़ी टक्कर दी है। मैंने अपनी लय पकड़ ली और लय में आ गई।

कोई भी पहला राउंड हारना नहीं चाहता, इसलिए मुझे लगता है कि मैं थोड़ी तनाव में थी, लेकिन मैं खुद को संभालने में कामयाब रही और मुझे लगता है कि इसका असर मेरे स्कोर पर दिखा।' गॉफ का अगला मुकाबला कनाडा की विश्व नंबर 25 खिलाड़ी लेयला फर्नांडीज़ से होगा, जिन्होंने मारिया सक्कारी को 6-2, 6-0 से हराया।

अतिरिक्त एजीआर मांग को रद्द करने की वोडाफोन आइडिया की याचिका पर सुनवाई स्थगित

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को दूरसंचार सेवा प्रदाता वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) की याचिका पर सुनवाई छह अक्टूबर तक टाल दी। इस याचिका में 2016-17 तक की अवधि के लिए अतिरिक्त समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) से जुड़ी मांगों को रद्द करने का अनुरोध किया गया है। प्रधान न्यायाधीश बी. आर. गवई, न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एन. वी. अंजारिया की पीठ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अनुरोध किया कि शुक्रवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध की गई याचिका को दशहरा अवकाश के बाद अदालतें खुलने पर सूचीबद्ध किया जाए। पीठ ने इस अनुरोध को स्वीकार करते हुए सुनवाई छह अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दी।

वीआईएल ने दूरसंचार विभाग की तरफ से वित्त वर्ष 2016-17 से संबंधित 5, 606 करोड़ रुपए की मांग के खिलाफ नई याचिका दायर की है। इससे पहले केंद्र ने कहा था कि कंपनी के साथ समाधान निकालने के प्रयास जारी हैं। केंद्र सरकार के विधि अधिकारी ने कहा कि सरकार के पास वोडाफोन आइडिया में करीब 50 प्रतिशत शेयर हैं जिससे वह इस कंपनी के वजूद में बने रहने से प्रत्यक्ष जुड़ाव रखती है।

विधि अधिकारी ने पीठ से कहा, ''आपके अनुमोदन के अधीन कुछ समाधान निकाला जा सकता है। अगर इसे अगले सप्ताह सूचीबद्ध किया जाए तो हमें कोई समाधान निकालने का समय मिल जाएगा।'' इस साल की शुरुआत में भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया जैसी दूरसंचार कंपनियों को झटका देते हुए शीर्ष अदालत ने अपने 2021 के आदेश की समीक्षा करने से इनकार कर दिया था। साथ ही इसमें उनके द्वारा देय एजीआर बकाया की गणना में कथित त्रुटियों को सुधारने की उनकी याचिकाओं को भी खारिज कर दिया गया था।

एशिया कप : साहिबजादा फरहान को आईसीसी ने दी चेतावनी, भारत के खिलाफ गलत तरीके से मनाया जश्न

दुबई **(एजेंसी)**। भारत के खिलाफ एशिया कप मैच के दौरान साहिबजादा फरहान को गोली चलाने का इशारा करके जश्न मनाने के लिए चेतावनी दी गई है। न्यूज एजेंसी ने टूर्नामेंट के गोपनीय सूत्र के हवाले से कहा, 'मैच रैफरी रिची रिचर्डसन ने शुक्रवार दोपहर टीम होटल में अपनी सुनवाई पूरी की। इसमें हारिस रऊफ पर आक्रामक व्यवहार के लिए उनकी मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और फरहान को चेतावनी देकर छोड़ दिया गया।'

टूर्नामेंट के सूत्रों के अनुसार रऊफ और फरहान ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की सुनवाई में भारत के खिलाफ मैच के दौरान भड़काऊ भाव भंगिमा के लिए खुद को निर्दोष बताया। यह सुनवाई मैच रैफरी रिची रिचर्डसन द्वारा यहां पाकिस्तान टीम के होटल में की गई। दोनों खिलाड़ी लिखित में दिए गए जवाबों के बावजूद व्यक्तिगत रूप से उनके सामने पेश हुए। उनके साथ टीम मैनेजर नवीद अकरम चीमा भी थे।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को एक आधिकारिक शिकायत में दोनों खिलाड़ियों पर भड़काऊ इशारे करने का आरोप लगाया है। दोनों टीमें रविवार को एशिया कप फाइनल में आमने सामने होंगी। रऊफ ने गिरते हुए विमानों का इशारा करके स्टैंड में बैठे भारतीय प्रशंसकों का मजाक उड़ाया था, वहीं फरहान के मैच में अर्धशतक लगाने के बाद मनाए गए जश्न को भी भारतीय टीम ने आपत्तिजनक माना था।

जीएसटी में कटौती से त्योहारों में ऑनलाइन बाजार की बिक्री बढ़ी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। जीएसटी कटौती के चलते मौजूदा त्योहारों में उपभोक्ता अधिक खरीदारी कर रहे हैं। महानगरों तथा उभरते बाजारों में त्योहारी मांग 23-25 प्रतिशत तक बढ़ी है। जीएसटी के कारण इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी महंगी श्रेणियों में कीमत कम हुई है। नवरात्रि के पहले दिन 22 सितंबर से प्रभावी जीएसटी सुधारों ने बड़े स्क्रीन वाले टीवी, मध्यम श्रेणी के फैशन और फर्नीचर सहित कई श्रेणियों में कर दरों में कमी की है। इससे उपभोक्ताओं को सीधे मूल्य लाभ मिला है। इन बदलावों ने खरीदारों को छूट की तलाश से आगे बढ़कर अधिक खरीदारी करने के लिए प्रोत्साहित किया है। इससे मझोले और छोटे शहरों से भागीदारी बढ़ी है और सोच-विचार कर किए जाने वाले खर्च में वृद्धि को बढ़ावा मिला है।

बाजार शोध फर्म रेडसीर के अनुसार बड़े टीवी पर जीएसटी को 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने से खुदरा कीमतों में 6-8 प्रतिशत की गिरावट आई है। इससे प्रीमियम मॉडल की मांग बढ़ी है। इसी तरह 2, 500 रुपये से कम कीमत वाली फैशन वस्तुओं पर अब सिर्फ पांच प्रतिशत जीएसटी लग रहा है, जिससे इस परिधानों की खरीदारी को बढ़ावा मिल रहा है। इसी तरह फर्नीचर की बिक्री भी बढ़ी है। रेडसीर ने कहा, ''पहले दो दिनों की बिक्री में सालाना आधार पर 23-25 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जीएसटी 2.0 सुधारों और त्योहारी माहौल की दोहरी ताकतों ने प्रीमियम स्मार्टफोन और टीवी की खरीदारी में तेजी ला दी।''

इसमें कहा गया कि मांग इतनी ज्यादा थी कि कुछ ऐप बहुत धीमे हो गए और ऑर्डर देने की कोशिश के कुछ ही मिनटों में क्रैश हो गए। ई-कॉमर्स दिग्गज अमेजन ने अपनी त्योहारी सेल के पहले दो दिनों में 38 करोड़ से ज्यादा ग्राहकों के आने की सूचना दी, जो इसकी अब तक की सबसे बड़ी शुरुआत थी। करीब 70 प्रतिशत से ज्यादा ग्राहक शीर्ष नौ महानगरों के बाहर से आए। फ्लिपकार्ट ने पिछले साल की तुलना में अपनी त्योहारी सेल के पहले 48 घंटों के दौरान उपयोगकर्ताओं की संख्या में 21 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। अमेजन इंडिया के उपाध्यक्ष सौरभ श्रीवास्तव ने कहा, ''जीएसटी बचत उत्सव पहल को अविश्वसनीय रूप से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है, जिसमें विक्रेताओं ने केवल 48 घंटों में करोड़ों रुपये के जीएसटी लाभ ग्राहकों तक पहुंचाए।''

घरेलू शेयर बाजारों में विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से शुरुआती कारोबार में गिरावट

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के बीच शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। अमेरिकी एच-1बी वीजा शुल्क संबंधी चिंताओं और वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख ने भी घरेलू शेयर बाजारों में मंदी के रुख को और बढ़ा दिया।

बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 329.66 अंक की गिरावट के साथ 80, 830.02 अंक पर और एनएसई निफ्टी 105.7 अंक फिसलकर 24, 785.15 अंक पर आ गया। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से सन फार्मा के शेयर में तीन प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई।

एशियन पेंट्स, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, पावर ग्रिड, एचसीएल टेक और टाटा स्टील के शेयर भी नुकसान में रहे। दूसरी ओर लार्सन एंड टुब्रो, टाटा मोटर्स, आईटीसी और ट्रेंट के शेयर लाभ में रहे।

एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई एसएसई और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहे। अमेरिकी बाजार बृहस्पतिवार को नकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे।

अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 69.54 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बृहस्पतिवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 4, 995.42 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

दिलजीत दोसांझ, इम्तियाज अली ने 'अमर सिंह चमकीला' को इंटरनेशनल एमी के लिए नामित होने पर खुशी जतायी

वह समय फिर आ गया है, जब दिलजीत दोसांझ मंच पर चढ़ेंगे और एक बार फिर कहेंगे - 'पंजाबी आ गए ओए!' और इस बार, वह इसे दो बार कह सकते हैं, क्योंकि दिलजीत दोसांझ और उनकी सीरीज़ 'अमर सिंह चमकीला' को 53वें अंतर्राष्ट्रीय एमी पुरस्कारों के लिए नामांकित किया गया है। यह समारोह 24 नवंबर, 2025 को न्यूयॉर्क में होगा। दिवंगत गायक अमर सिंह चमकीला के जीवन पर आधारित दिलजीत और उनकी सीरीज़ को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और टीवी मूवी/मिनी-सीरीज़ श्रेणियों में नामांकित किया गया है। इस खबर से इंडस्ट्री और प्रशंसकों में खुशी की लहर दौड़ गई है। 'चमकीला' में दिलजीत दोसांझ की मुख्य भूमिका वाली परिणीति चोपड़ा ने भी टीम को बधाई दी है।

फिल्म निर्देशक इम्तियाज अली और अभिनेता-संगीतकार दिलजीत दोसांझ ने अपनी फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' को दो अंतरराष्ट्रीय एमी के लिए नामित किए जाने पर खुशी व्यक्त करते हुए इसे पंजाब और उसके कलाकारों का सम्मान बताया है। पंजाबी संगीतकार दिवंगत अमर सिंह चमकीला के जीवन पर आधारित यह कहानी नेटफ्लिक्स पर प्रसारित की गई और इसे टीवी फिल्म /मिनी- वेब सीरीज़ की श्रेणी में नामित किया गया है वहीं दोसांझ को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता श्रेणी में नामित किया गया है। 'इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ टेलीविजन आट्‌र्स एंड साइंसेज' ने बृहस्पतिवार रात न्यूयॉर्क में दोनों नामांकनों की घोषणा की।

निर्देशक अली ने एक बयान में कहा, ''पंजाब की धरती की खुशबू से जुड़े होने के वजह से 'अमर सिंह चमकीला' एक अलग तरह की फिल्म है।'' अली ने कहा, ''संघर्ष से कला निखरकर सामने आती है, यह तथ्य इस फिल्म में अमर सिंह चमकीला के जीवन के माध्यम से सामने लाया गया है। हम सभी बहुत खुश हैं कि हम ऐसे अनोखे व्यक्ति की कहानी को सामने ला सके।'' न्यूयॉर्क शहर में 24 नवंबर को आयोजित होने वाले 53वें अंतरराष्ट्रीय एमी पुरस्कार समारोह के लिए फिल्म नामित हुई है।

दोसांझ को चमकीला की भूमिका के लिए व्यापक प्रशंसा मिली है। चमकीला की 1988 में अपनी पत्नी अमरजोत के साथ गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उस समय वह 27 वर्ष के थे। दोसांझ ने कहा कि यह सम्मान दिवंगत संगीतकार को श्रद्धांजलि है। दोसांझ (41) ने कहा, ''मैं सचमुच गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं कि पंजाब के एक कलाकार को अंतरराष्ट्रीय एमी जैसे प्रतिष्ठित मंच पर वैश्विक स्तर पर पहचाना और सराहा जा रहा है। मैं इम्तियाज़ अली सर का आभारी हूं कि उन्होंने मुझे इस भूमिका के लिए चुना।'' 'अमर सिंह चमकीला' में परिणीति चोपड़ा ने भी भूमिका निभाई है।

अपराध और न्याय की गूढ़ कहानी, करीना कपूर ने मेघना गुलजार की 'दायरा' की शूटिंग की शुरू

करीना कपूर खान को हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में आए 25 साल हो गए हैं। उन्होंने अपने करियर में तमाम सुपरहिट फिल्में दी है। एक्ट्रेस का नाम सुपरहिट सितारों में गिना जाता है। हाल ही में करीना कपूर फिल्म क्रू में नजर आयी थी। अब उन्होंने अपनी नयी फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर ने निर्देशक मेघना गुलजार की फिल्म दायरा की शूटिंग शुरू कर दी। फिल्म में करीना पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ नजर आएंगी। यह उनके करियर की 68वीं फिल्म है।

इंस्टाग्राम पर करीना ने सेट की कई सारी वीडियो साझा करते हुए लिखा पहला दिन, 68वीं फिल्म। अद्भुत मेघना गुलजार और वास्तविक पृथ्वी के साथ 'दायरा'.. प्यार और शुभकामनाएं।''

''राजी'', ''तलवार'', ''छपाक'' और ''सैम बहादुर'' जैसी हिट फिल्में देने वाली मेघना ने भी अपने इंस्टाग्राम पेज पर यह खबर साझा की और लिखा एक धुंधला और कटी-फटी रेखाओं का सफर... हमने आगाज कर दिया है।'' दायरा एक अपराध और रोमांचक पृष्ठभूमि पर लिखी गयी फिल्म है जिसमें अपराध, दण्ड एवं न्याय से जुड़े सदियों पुराने विरोधाभास को उजागर किया गया है। इसमें वर्तमान समय की सच्चाइयों को समेटते हुए लोगों के मर्म को छूने का प्रयास किया गया है।

इससे पहले करीना को तब्बू और कृति सैनन के साथ 2024 में आई फिल्म क्रू तथा रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन में अजय देवगन के साथ देखा गया था।सुकुमारन 2025 में फिल्म एल 2: एमपूरान और सरजमीं में काजोल और इब्राहिम अली खान के साथ नजर आए थे।

पृथ्वीराज सुकुमारन और दुलकर सलमान के घरों पर हाल ही में सितंबर 2025 में सीमा शुल्क और केंद्रीय उत्पाद शुल्क विभाग ने छापेमारी की थी। लक्ज़री कारों पर कर चोरी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई के तहत, राजस्व खुफिया निदेशालय और सीमा शुल्क के अधिकारियों ने 'नुमखोर' कोडनाम से एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया।

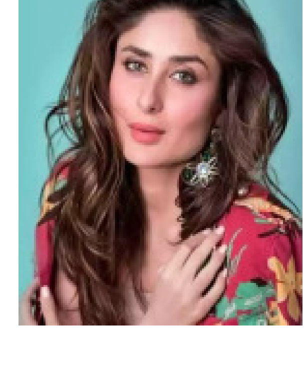

यह छापेमारी लग्ज़री कारों के स्वामित्व को लक्षित कर रही थी, और संभावित कर चोरी के लिए दस्तावेजों की जाँच की जा रही थी। दोनों अभिनेता ऐसी गाड़ियों के स्वामित्व के कारण इस मामले में उलझे हुए हैं। अधिकारियों ने कहा कि उनके वाहनों के दस्तावेजों की जाँच की जाएगी और किसी भी अवैध गतिविधि के बारे में उनकी जानकारी का पता लगाने के लिए उनके बयान दर्ज किए जाएँगे।

करीना कपूर खान ने पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ मेघना गुलज़ार की फ़िल्म 'दायरा' के पहले दिन की एक झलक दिखाई। अपने 25 साल के करियर में, 'दायरा' करीना कपूर खान की 68वीं फ़िल्म है।